NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 60 लखनऊ, शनिवार 18 अक्टूबर 2025 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

मोदी के 11 साल बिहार के लिए वरदान- शाह ने नीतीश नेतृत्व में जीत का फूंका बिगुल

एजेंसी।

पटना बिहार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सारण में बिहार चुनाव 2025 का बिगुल फूंका, जिसमें नीतीश कुमार को श्जंगलराजश से बिहार को मुक्त कराने का श्रेय दिया गया। शाह ने पीएम मोदी के 11 साल के विकास कार्यों को भी रेखांकित करते हुए एनडीए की आगामी जीत को श्चौथी दिवालीश बताया।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सारण जिले में भाजपा का चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने तरैया के निवर्तमान विधायक जनक सिंह और अमनौर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार कृष्ण कुमार मंटू के लिए प्रचार किया। तरैया में रैली को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने बिहार के युवाओं को पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के जंगल राज की याद दिलाई और बताया कि कैसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 सालों में इससे मुक्ति पाई है।शाह ने कहा कि जब आप सारण से प्रचार शुरू करते हैं, तो हमें सिर्फ जीत ही दिखाई देती है। बिहार के युवाओं को लालू–राबड़ी के उस जंगल राज की याद दिलाने और उसके खिलाफ लड़ने का संकल्प दिलाने के लिए छपरा, सारण से बेहतर कोई जगह नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को जंगल राज से मुक्त कराया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 सालों में बिहार के विकास के लिए काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल गरीबों के लिए वरदान साबित हुए हैं।अमित शाह

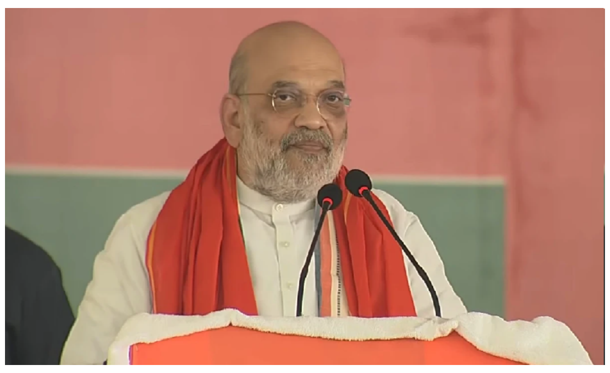

ने यह भी दोहराया कि एनडीए बिहार चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार के लोगों को इस साल चार दिवाली मनाने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार बिहार के लोगों को चार दिवाली मनाने का मौका मिला है। पहली दिवाली भगवान राम के अयोध्या लौटने के अवसर पर है। दूसरी दिवाली अभी–अभी समाप्त हुई है। नीतीश जी और मोदी जी ने बिहार की महिलाओं को 10,000 रुपये दिए हैं। तीसरी दिवाली 395 उत्पादों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत और 0 प्रतिशत कर दिया है। चौथी दिवाली तब मनाई जाएगी जब एनडीए सबसे बड़े बहुमत के साथ आएगा और लालू, राहुल और उनकी कंपनी का सफाया कर देगा। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलते हुए, अमित शाह ने कहा, ष्लालू प्रसाद और कांग्रेस के शासनकाल में आतंकवादी श्खून की होलीश खेलते थे।

मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मार गिराया।ष बिहार चुनाव 2025 के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा। नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। एनडीए ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी सीट–बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है, जिसमें भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) 101–101 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेंगे।

रक्षा निर्यात में भारत की ऐतिहासिक उड़ान 25,000 करोड़ का रिकर्ड, 2029 तक 50,000 करोड़ छूने का लक्ष्य

, t।lhA

दिल्ली रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये

पर पहुँच गया है, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार ने 2029 तक इसे 50,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाने और घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। यह वृद्धि भारत के रक्षा उद्योग की बढ़ती वैश्विक पहचान को दर्शाती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू गया है, जो कुछ साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से एक बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। ग पर साझा की गई एक पोस्ट में, त्डट इंडिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हवाले से कहा कि हमारा रक्षा निर्यात, जो पहले 1,000 करोड़ रुपये से कम हुआ करता था, अब रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़

कांग्रेस-सपा की नीति...फूट डालो-हुकूमत करो, सीएम योगी सपा पर जमकर बरसे,

संवाददता

लखनऊ सीएम योगी ने कहा कि 31 अक्टूबर को 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन पूरे प्रदेश में होगा। 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किलोमीटर लंबी 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन अंग्रेजों की "फूट डालो और राज करो" नीति को आज भी अपनाए हुए हैं। ये दल समाज में जाति, पंथ और मजहब के आधार पर फूट डालने का काम कर रहे हैं ताकि देश की एकता और अखंडता कमजोर हो। जब देश आजाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने भारत को कई हिस्सों में बांटने की साजिश रची थी। उनकी कोशिश थी कि भारत कभी एक न हो सके। लेकिन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से 563 रियासतों को भारत गणराज्य में विलय कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया। आज उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक जो भारत एकजुट दिखता है, वह सरदार पटेल की देन है। इसलिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 से हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।सीएम योगी ने कहा, भाजपा और केंद्र व राज्य की सरकारें सरदार पटेल के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने के लिए कार्यरत हैं। जब विपक्ष समाज को बांटने की राजनीति कर रहा है, तब भाजपा की जिम्मेदारी है कि एकता और अखंडता के संदेश को हर गांव और हर विधानसभा तक पहुंचाया जाए। हर विधानसभा क्षेत्र में 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी मुख्यमंत्री ने बताया, 31 अक्टूबर को 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन पूरे प्रदेश में होगा। इसके बाद 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किलोमीटर लंबी 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी। इसमें आर्मी के रिटायर्ड जवान, अन्नदाता, श्रमिक, भाजपा के अनुशांगिक संगठन, एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड सभी को जोड़ा जाएगा।यात्रा के दौरान श्भारत माता की जयश, श्वंदे

मातरमश और श्नेता जी सुभाष चंद्र बोस अमर रहेंश के जयघोष गूंजेंगे। हर दो किलोमीटर पर पड़ाव होगा, जहां समाज से संवाद कायम करते हुए एकता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम सिर्फ औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि हर कार्यकर्ता को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। बूथ स्तर से लेकर जिला पदाधिकारी तक सभी को सक्रिय होना होगा।बाबा साहब को समर्पित संविधान दिवस और युवा पदयात्रासीएम योगी ने बताया, 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाएगा, जो बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। इस दिन प्रत्येक जिले से पांच युवाओं को दिल्ली भेजा जाएगा, जहां से वे गुजरात में होने वाली पदयात्रा में शामिल होंगे। यह यात्रा 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक चलेगी, ताकि युवा देशभर में सरदार पटेल और बाबा साहब दोनों के योगदान से प्रेरणा ले सकें।'विकसित भारत' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर जोर सीएम योगी ने बताया, 1946–47 में जो अंग्रेज भारत की अखंडता को तोड़ना चाहते थे, आज वही भारत ब्रिटेन को पछाड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा, यह हर भारतीय का संकल्प होना चाहिए। नागरिकों से अपील की कि त्योहारों पर स्वदेशी उत्पाद खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों, महिला समूहों और आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा। जब हम स्वदेशी खरीदते हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं।

शाह सारण मे रैली को करेंगे संबोधित और पटना में बुद्धिजीवियों के साथ बैठक करेंगे

बिहार पटनां।

शाह ने यह भी खुलासा किया कि 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद स्वयं नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया था कि भाजपा के अधिक सीट आने के कारण मुख्यमंत्री उसी दल से होना चाहिए। बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को सारण जिले में एक जनसभा और पटना में बुद्धिजीवियों की बैठक को संबोधित करेंगे। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने दी।भाजपा नेताओं के अनुसार, शाह ने बृहस्पतिवार रात पटना में वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। भाजपा के एक नेता ने कहा, ''गृह मंत्री दिन में सारण जिले में राष्ट्रीय

जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के समर्थन में अमनौर और तरैया विधानसभा क्षेत्रों में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह पटना के ज्ञान भवन में बुद्धिजीवियों की सभा को भी संबोधित करेंगे।''ऐसा माना जा रहा है कि शाह के इस दौरे का उद्देश्य बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजग की चुनावी तैयारियों को धार देना है। शाह ने बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में दरार की अटकलों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा।शाह ने एक टीवी चौनल से विशेष बातचीत में कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दल मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला चुनाव परिणाम आने के बाद करेंगे। उन्होंने दावा किया कि आगामी 14 नवंबर को जब परिणाम आएंगे, तो राजग सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगा।गृह मंत्री ने कहा, "मैं यह तय करने वाला नहीं हूं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं। फिलहाल हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव के बाद सभी सहयोगी दल बैठकर अपने नेता का चयन करेंगे।"शाह ने यह भी खुलासा किया कि 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद स्वयं नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया था कि भाजपा के अधिक सीट आने के कारण मुख्यमंत्री उसी दल से होना चाहिए। उन्होंने कहा, "लेकिन हमने हमेशा अपने गठबंधन का सम्मान किया और नीतीश कुमार को उनकी वरिष्ठता और सम्मान के आधार पर मुख्यमंत्री बनाया।

सीपीआर जागरूकता सप्ताह 2025 : जीवन बचाने का संकल्प - सुभारती विश्वविद्यालय की प्रेरक पहल

"सीपीआर केवल तकनीक नहीं, बल्कि जीवनदान का विज्ञान है" - प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन

विजडम इंडिया संवाददाता।

देहरादून, 17 अक्टूबर 2025। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून ने "सीपीआर जागरूकता अभियान 2025" का सफल आयोजन लाल बहादुर शास्त्री लोकप्रिय अस्पताल, प्रेमनगर के सभागार में किया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की रचनात्मकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और चिकित्सा शिक्षा के व्यावहारिक दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण रहा। आयोजन का उद्देश्य आमजन को कार्डियोपल्मोनरी

रिससिटेशन (ब्द्) जैसे जीवनरक्षक उपायों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11 बजे दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसने पूरे सभागार में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का वातावरण निर्मित किया। इसके बाद रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने स्वागत भाषण देते हुए सीपीआर के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा –

"सीपीआर केवल एक चिकित्सा तकनीक नहीं, बल्कि यह जीवनदान का विज्ञान है। यदि समाज का हर व्यक्ति इसे सीख ले, तो असंख्य जिंदगियाँ बचाई जा सकती हैं। शिक्षा तभी सार्थक है जब वह सेवा का माध्यम बने। सुभारती विश्वविद्यालय का यही लक्ष्य है कृ हर विद्यार्थी को समाज के प्रति संवेदनशील बनाना।"

दीप प्रज्वलन के उपरांत सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथियों और वक्ताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने योगदान से इस अभियान को प्रेरणादायक बनाया। तत्पश्चात नर्सिंग विद्यार्थियों ने एक सशक्त नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर सीपीआर देने की आवश्यकता को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। दर्शकों ने इसे अत्यधिक सराहा।

डॉ. अनुभा अग्रवाल, गुणवत्ता प्रमुख,सुभारती अस्पताल, ने सभी उपस्थितों को समाज में सीपीआर का ज्ञान फैलाने की शपथ दिलाई।

डॉ. आस्था श्रीवास्तव, सहआचार्य, गौतम बुद्ध चिकित्सा महाविद्यालय नें लाइव सीपीआर डेमोंस्ट्रेशन द्वारा छाती दबाव, एयरवे मैनेजमेंट और रेस्क्यू ब्रीदिंग की व्यावहारिक विधियों का प्रदर्शन किया।

पूरे कार्यक्रम के संचालन और समन्वय में प्रोफेसर एवं डीन, स्टूडेंट वेलफेयर श्रीमती नीतिका कौशल का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा। उनके नेतृत्व में नर्सिंग संकाय ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण और आयोजन की जिम्मेदारी में उत्कृष्ट सहयोग दिया।

सुश्री वंशिका ने अपनी ऊर्जावान और आत्मविश्वासपूर्ण एंकरिंग से कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा, जबकि समापन सत्र में सुश्री अनामिका ने भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर सभी अतिथियों, आयोजकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह आयोजन सुभारती विश्वविद्यालय की उस रचनात्मक दृष्टि का प्रतीक है जो शिक्षा को समाज सेवा से जोड़ने में विश्वास रखती है। विश्वविद्यालय न केवल ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि छात्रों में जिम्मेदारी, सहानुभूति और जनकल्याण की भावना का विकास करता है।

कार्यक्रम का समापन इस प्रेरक संदेश के साथ हुआ कि "हर व्यक्ति सीपीआर सीखे, क्योंकि हर हाथ जीवन दे सकता है।"

सीपीआर जागरूकता कार्यक्रम 2025 केवल एक विश्वविद्यालयीय आयोजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक अभियान था – एक ऐसा संकल्प जिसने यह साबित किया कि जब शिक्षा सेवा से जुड़ती है, तो उसका प्रभाव केवल पुस्तकों तक नहीं, बल्कि लोगों की सांसों तक पहुँचता है।

तेजस्वी ही होंगे महागठबंधन के सीएम फेस, कांग्रेस ने लगाई मुहरय सीट बंटवारे पर फंसा पेंच

एजेंसी।

पटना। बिहार चुनाव में कांग्रेस ने तेजस्वी यादव को महागठबंधन का सीएम चेहरा घोषित कर दिया है, जिससे विपक्षी गठबंधन की रणनीति स्पष्ट हुई है। हालांकि, सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने में महागठबंधन को आंतरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि एनडीए ने अपना बंटवारा सफलतापूर्वक तय कर लिया है। यह स्थिति आगामी विधानसभा चुनाव के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक समीकरण दर्शाती है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नजदीक आते ही, कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, सिंह ने जोर देकर कहा कि सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है, लेकिन गठबंधन भाजपा–जद(यू) गठबंधन के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा, ष्तेजस्वी यादव महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। सीटों का बंटवारा हो रहा है और जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। अखिलेश सिंह के साथ, कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने भी तेजस्वी यादव को विपक्षी गठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने का समर्थन किया। अनवर ने कहा, ष्मुझे लगता है कि ऐसा करने में कोई बुराई नहीं है,ष और उन्होंने महागठबंधन और एनडीए दोनों से अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों को तुरंत स्पष्ट करने का आग्रह किया। विपक्ष ने तेजस्वी यादव पर सहमति जताई है, वहीं एनडीए ने दोहराया है कि बिहार चुनाव में मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही उसका चेहरा बने रहेंगे।मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की पुष्टि के बावजूद, गठबंधन को सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने गुरुवार देर रात 48 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की, लेकिन सहयोगियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। अनवर ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी की नाराजगी को स्वीकार किया, जो कथित तौर पर प्रस्तावित सीट बंटवारे के फॉर्मूले से नाराज थे। अनवर ने कहा, ष्वह नाराज हैं। मुझे लगता है कि हमसे भी गलती हुई। हमारे पास पर्याप्त समय था, और चीजें पहले ही तय हो जानी चाहिए थीं। इस बीच, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार चुनाव के लिए सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय कर लिया है। भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) 101–101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

एनडीए के अन्य सहयोगियों को भी सीटें आवंटित की गई हैंरू केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) 6–6 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें आवंटित की गई हैं।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दीपोत्सव की मांग से गरमाई बहस, क्या कैंपस में मनेगी भव्य दीपावली?

संवाददाता।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के एक हिंदू छात्र अखिल कौशल ने परिसर में दीपोत्सव और आतिशबाजी के साथ दिवाली मनाने की अनुमति मांगी थी। एएमयू प्रॉक्टर प्रोफेसर वसीम अली ने स्पष्ट किया कि दिवाली मनाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है और यह कोई मुद्दा नहीं है, बल्कि 17 अक्टूबर को एक बड़े कार्यक्रम के बाद आयोजन स्थल

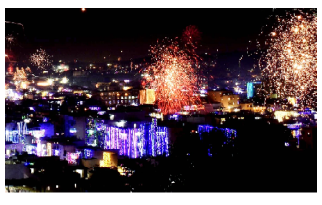

की सफाई के कारण 18 अक्टूबर के कार्यक्रम में देरी हो सकती है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एक हिंदू छात्र अखिल कौशल ने कुलपति को पत्र लिखकर परिसर में दीपोत्सव, आतिशबाजी और मिठाइयों के साथ दिवाली मनाने की अनुमति मांगी है। हालांकि प्रशासन ने समारोहों पर रोक नहीं लगाई है, लेकिन 17 अक्टूबर को एक बड़े कार्यक्रम के बाद सफाई की जरूरतों के कारण कार्यक्रम में देरी हो सकती है। छात्र अखिल कौशल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैंने एएमयू के कुलपति को पत्र लिखकर दिवाली मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। इस कार्यक्रम में दीपोत्सव, आतिशबाजी और मिठाइयाँ बाँटी जाएँगी।

उत्तर प्रदेश मिशन शक्तिके अंतर्गत प्रदेशभर में दहेज और घरेलू हिंसा पर जागरूकता चौपाल कार्यक्रम

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत 17 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 के बीच प्रदेश के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जागरूकता चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन चौपालों का मुख्य उद्देश्य समाज में दहेज प्रथा और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ व्यापक जन–जागरूकता फैलाना है।चौपालों का फोकस विशेष रूप से दहेज उन्मूलन और घरेलू हिंसा की रोकथाम पर है। इन कार्यक्रमों में महिलाओं, किशोरियों, पुरुषों और समुदाय के प्रतिनिधियों को दहेज प्रथा के नकारात्मक प्रभाव, घरेलू हिंसा के प्रकार और इसके कानूनी पहलुओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। दहेज प्रथा आज भी कई परिवारों में आर्थिक बोझ, लिंग असमानता और हिंसा का कारण बनती है, जबकि घरेलू हिंसा महिलाओं की गरिमा, आत्मविश्वास और समानता पर प्रत्यक्ष आघात करती है। चौपालों के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि किसी भी प्रकार की हिंसा को सहना नहीं, बल्कि उसके खिलाफ आवाज उठाना ही वास्तविक सशक्तिकरण है।प्रतिभागियों को घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के बारे में सरल और व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। विभाग के विशेषज्ञ वक्ता और अधिकारी समझा रहे हैं कि इन कानूनों के तहत महिलाओं को क्या अधिकार हैं और शिकायत दर्ज करने के लिए महिला हेल्पलाइन 181 तथा प्रत्येक जनपद में स्थापित वन स्टॉप सेंटर से संपर्क किया जा सकता है, जहाँ पीड़ित महिलाओं को 24 घंटे त्वरित सहायता प्रदान की जाती है।महिला एवं बाल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जोहरी ने कहा कि दहेज और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों का अंत केवल कानून से नहीं, बल्कि समाज की चेतना से संभव है। मिशन शक्ति के तहत आयोजित जागरूकता चौपालों का उद्देश्य यही है कि हर गाँव में संवाद हो, हर घर में सोच बदले और हर महिला को यह भरोसा मिले कि राज्य उनके साथ है।चौपालों में विभागीय अधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस, आशा बहुएँ, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, ग्राम प्रधान और स्वयंसेवी संस्थाएँ भी भाग ले रही हैं। स्थानीय महिलाएं और बालिकाएँ अपने अनुभव साझा कर रही हैं, जिससे समाज में संवाद और सहानुभूति का वातावरण बन रहा है। इसके अलावा, कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, वन स्टॉप सेंटर और समग्र महिला सुरक्षा जैसी विभागीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जा रही है।जागरूकता चौपाल केवल जानकारी का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में संवेदना, समानता और सम्मान की संस्कृति स्थापित करने का एक अभियान भी है। मिशन शक्ति के इस चरण में महिला सशक्तिकरण अब केवल नीति नहीं, बल्कि एक सतत सामाजिक आंदोलन बन चुका है, जहाँ हर पंचायत और हर चौपाल से नारी गरिमा की आवाज बुलंद हो रही है। उल्लेखनीय है कि मिशन शक्ति के पांचवें चरण में 22 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 के मध्य कुल 15.50 लाख लोगों को जागरूक किया जा चुका है, जिसमें महिलाएं, पुरुष, बालक और बालिकाएँ सभी शामिल हैं।

अयोध्या में दीपोत्सव 2025 26.11 लाख दीयों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड की तैयारी

लखनऊ(आरएनएस) मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या इस समय दीपोत्सव की तैयारियों में पूरी तरह व्यस्त है। राम की पैड़ी सहित नगर के अन्य घाटों पर 33,000 स्वयंसेवकों की मदद से दीयों की सजावट का कार्य जोर–शोर से चल रहा है। 19 अक्टूबर को 26,11,101 दीप प्रज्ज्वलन के साथ नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने की तैयारी है।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि राज्य सरकार अयोध्या की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली इतिहास को जीवंत करते हुए त्रेतायुग की छवि प्रस्तुत कर रही है। इसके माध्यम से नई पीढ़ी को यह अनुभव कराया जाएगा कि भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या में दीपावली का उत्सव कैसे मनाया गया था।मंत्री ने कहा कि दीपोत्सव की असली चमक उसकी जन सहभागिता में है। करीब 33,000 वालंटियरकृ जिनमें छात्र, शिक्षक और स्थानीय संगठन शामिल हैंकृघाटों पर दीयों की सजावट में जुटे हैं। इस कार्य का समन्वय डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। 17 अक्टूबर तक घाट 8, 9, 10 और 11 पर सजावट का कार्य लगभग 50 प्रतिशत पूरा हो चुका था और इस दौरान 7–8 लाख दीयों को घाटों पर सजाया जा चुका था।दीपोत्सव–2025 के लिए 26 लाख दीयों में से करीब 16 लाख दीये अयोध्या और आसपास के गांवोंकृजैसे जयसिंहपुर, पुरा बाजार और गोसाईगंजकृके 40 कुम्हार परिवारों ने अपने हाथों से तैयार किए हैं। शेष 10 लाख दीयों की आपूर्ति औद्योगिक इकाइयों, सामाजिक संगठनों, ग्रामीण महिलाओं और प्रदेश की जनता ने मिलकर सुनिश्चित की है। दीप प्रज्ज्वलन के लिए लगभग 55 लाख बत्तियां तैयार की गई हैं और इसके लिए 73,000 लीटर तेल का उपयोग किया जा रहा है।अयोध्या का सरयू तट लाखों दीयों की जगमगाहट से सुसज्जित हो रहा है। इस भव्य आयोजन में राम की पैड़ी पर 16 लाख, विस्तारित राम की पैड़ी पर 4.25 लाख, चौधरी चरण सिंह घाट पर 4.75 लाख और भजन संध्या घाट पर 5.25 लाख दीयों की सजावट होगी। इसके अतिरिक्त, लक्ष्मण किला घाट और आसपास के घाटों पर 1.25 लाख दीये रोशनी बिखेरेंगे।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में सरकार और संबंधित अधिकारी दीपोत्सव को भव्य बनाने में जुटे हैं। अयोध्या आने वाले हर आगंतुक को विशेष अनुभव मिले, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। 18, 19 और 20 अक्टूबर को आम जनता के लिए 3–डी होलोग्राफिक म्यूजिकल लेजर शो और 1,100 मेक इन इंडिया ड्रोन द्वारा भव्य प्रदर्शन होगा। वहीं, 19 अक्टूबर को 2,100 वेदाचार्यों की महाआरती इस भव्य आयोजन का मुख्य आकर्षण होगी।इस दीपोत्सव में अयोध्या के घाटों पर हर दीप प्रकाश और आस्था का प्रतीक बनकर शहर को एक अद्भुत सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगा।

लखनऊग्रामीण महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की दीपावली तैयारी

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में राज्य में ग्रामीण महिलाओं के आजीविका संवर्धन के प्रयास नए आयाम पर हैं। महिला स्वावलंबन और सशक्तिकरण की दिशा में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने बेहद प्रभावी पहलें की हैं। मिशन के तहत श्लखपति दीदीश के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए ग्रामीण महिलाओं को त्योहारों के अवसर पर रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।दीपावली के पावन अवसर पर मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खासा आकर्षण पैदा किया है। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि हजारों समूह सदस्यों ने बाजार की मांग के अनुरूप डिजाइनर दिए, मोमबत्तियां और त्योहारों से संबंधित विभिन्न उत्पाद तैयार किए हैं। शहरों के तर्ज पर इन उत्पादों के गिफ्ट हैंपर भी बनाए गए हैं।

इसके साथ ही, समूह के उत्पादों को संग्रहित कर एक कॉफी टेबल बुक भी तैयार की गई है, जिससे इनके उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिक्री के लिए पंजीकरण भी किया गया है।मिशन निदेशक ने बताया कि समूहों ने पर्यावरण–अनुकूल (इको फ्रेंडली) उत्पाद तैयार किए हैं। इसमें गाय के गोबर और पंचगव से बनी गणेश–लक्ष्मी की मूर्तियां, मधुमक्खी के छत्ते से निकले मोम से फैंसी मोमबत्तियां और दीए शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, समूहों द्वारा हवन सामग्री जैसे धूप बत्ती, अगरबत्ती और पूजा सामग्री भी तैयार की गई हैं।इस पहल से न केवल ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि उनकी कला और उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पहचान भी मिल रही है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की यह कोशिश ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला सशक्तिकरण के लिए एक नई मिसाल साबित हो रही है।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने प्रदेशवासियों को दी धनतेरस और दीपावली की शुभकामनाएं

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने धनतेरस और दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री ने आम जनमानस की सुख–समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि यह पर्व पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाए।अपने संदेश में उन्होंने बताया कि दीपावली हमारी समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली विरासत का हिस्सा है। भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने पर अयोध्यावासियों ने पूरे नगर को दीपों से सजाकर आनंद और उल्लास का वातावरण बनाया था। इसी परंपरा को दोहराते हुए उत्तर प्रदेश सरकार इस वर्ष 26 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने जा रही है।

लखनऊपंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में आधुनिक कंप्यूटर लैब का उद्घाटन, डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश के पंचायती राज विभाग के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने आज लखनऊ स्थित पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि "पंचायती राज विभाग ग्रामीण शासन की रीढ़ है, और आज के डिजिटल युग में तकनीकी दक्षता अत्यंत आवश्यक है। इस आधुनिक कंप्यूटर लैब के माध्यम से विभागीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल रूप से और अधिक सक्षम बनेंगे, जिससे विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और गति दोनों आएंगी। हमारा उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक डिजिटल सशक्तिकरण सुनिश्चित करना है।"मंत्री ने बताया कि यह लैब 60 कंप्यूटरों से सुसज्जित है और यह विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण एवं तकनीकी दक्षता का केंद्र बनेगी। लैब के माध्यम से कर्मचारी डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई–गवर्नेंस, डेटा प्रबंधन और ऑनलाइन रिपोर्टिंग सिस्टम जैसे विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जिससे विभाग की आंतरिक कार्यप्रणाली में सुधार होगा और ग्राम पंचायत स्तर तक डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।पंचायती राज विभाग इस लैब को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के लिए केंद्रीय केंद्र के रूप में उपयोग करेगा। यहाँ समय–समय पर विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक विषयों पर कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, ताकि कर्मचारियों में नई तकनीकी जानकारियाँ विकसित हों और डिजिटल कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहन मिले।निदेशक, पंचायती राज

विभाग श्री अमित कुमार सिंह ने कहा कि यह कंप्यूटर लैब विभागीय प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकी उपकरणों के उपयोग में दक्षता प्राप्त होगी और ई–गवर्नेंस को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी।इस अवसर पर संयुक्त निदेशक संजय कुमार बरनवाल सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस पहल से ग्राम पंचायतों में तकनीकी सशक्तिकरण, पारदर्शिता और सुशासन की नई मिसाल स्थापित होगी।

इटौंजा क्रासिंग पर दर्दनाक हादसा ट्रक की टक्कर में चालक की मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

लखनऊ(आरएनएस),राजधानी लखनऊ के इटौंजा क्रॉसिंग के पास बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। देर रात लगभग दो बजे थाना इटौंजा पुलिस को सूचना मिली कि एक ट्रक संख्या भ्त39 ळ 9496 अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और चालक ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंसा हुआ है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने बमुश्किल केबिन में फंसे चालक को बाहर निकाला और गंभीर अवस्था में उपचार के लिए 100 सैया हॉस्पिटल बीकेटी भेजा, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।घटना के बाद पुलिस ने मौके पर स्थिति का जायजा लिया और ट्रक को सड़क से हटाने के लिए दो हाइड्रा मशीनें तथा एक जेसीबी मंगाई गईं। भारी वाहन को एक किनारे हटवाने के बाद सड़क पर आवागमन सुचारू रूप से बहाल कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रात के समय यातायात बाधित न हो, इसके लिए मौके पर लगातार निगरानी की गई और ट्रक को सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया।घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ और स्थल निरीक्षण के दौरान पुलिस को यह जानकारी मिली कि ट्रक चालक कुर्सी रोड की ओर से गाड़ी लेकर आ रहा था। जैसे ही वह इटौंजा क्रॉसिंग के पास पहुंचा, अचानक वाहन अनियंत्रित होकर अपने आगे चल रहे किसी अज्ञात वाहन से पीछे से जोरदार टक्कर मार बैठा। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया।वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर पुलिस ने वाहन मालिक का पता लगाया और मृतक के संबंध में जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में मृतक चालक की पहचान ग्राम सैदापुर कुसुमखोर, जनपद कन्नौज निवासी श्रवण पुत्र विनोद तिवारी, उम्र लगभग 28 वर्ष, के रूप में हुई है। पुलिस मृतक के परिजनों से संपर्क कर रही है ताकि शव का पहचान व अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की जा सके।थाना इटौंजा पुलिस ने मृतक चालक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह एक साधारण सड़क दुर्घटना प्रतीत होती है, जिसमें तेज गति या वाहन पर नियंत्रण खोने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान एकत्र किए जा रहे हैं।इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में शोक की लहर है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया था। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि रात के समय भारी वाहनों की आवाजाही में गति सीमा का पालन करें और सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं, ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

बंथरा पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्तकार्रवाई में 25 हजार का इनामी दुष्कर्म आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

लखनऊ,(आरएनएस) थाना बंथरा और सर्विलांस सेल दक्षिणी जोन लखनऊ की संयुक्त पुलिस टीम ने गुरुवार देर रात नाबालिग से दुष्कर्म के प्रकरण में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी राजेंद्र कुमार उर्फ बाबू कश्यप को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार करने के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सीएचसी सरोजनीनगर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं और वह लंबे समय से फरार चल रहा था।घटना के संबंध में जानकारी के अनुसार, 11 अक्टूबर 2025 की शाम लगभग पांच बजे थाना बंथरा क्षेत्र के अंतर्गत कुछ लोगों द्वारा एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म किए जाने की सूचना मिली थी। घटना की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना बंथरा पुलिस ने नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 350/2025, धारा 70(2), 351(3) भारतीय न्याय संहिता एवं 5ग/6 पोक्सो एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत किया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कई टीमों का गठन किया था और आरोपियों की तलाश में लगातार दबिशें दी जा रही थीं।पुलिस की सक्रियता के चलते 12 अक्टूबर को इस प्रकरण में शामिल दो आरोपियों कृ ललित कश्यप (उम्र लगभग 33 वर्ष, पुत्र राधेलाल, निवासी ग्राम हरौनी, थाना बंथरा) और मेराज (उम्र लगभग 20 वर्ष, पुत्र बाबूखान, निवासी ग्राम हरौनी, थाना बंथरा) कृ को गिरफ्तार कर लिया गया था। दोनों को पुलिस टीमों ने अलग–अलग स्थानों से पकड़ा था। वहीं, घटना में शामिल तीसरा आरोपी राजेंद्र कुमार उर्फ बाबू कश्यप फरार चल रहा था, जिस पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।16 अक्टूबर की रात लगभग 11.35 बजे थाना बंथरा और सर्विलांस सेल दक्षिणी जोन की संयुक्त टीम हरौनी चौकी क्षेत्रांतर्गत भटगांव पांडे से हुल्लासखेड़ा मार्ग पर संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को भटगांव की दिशा से आते देखा गया। पुलिस टीम ने जब उसे रुकने का इशारा किया, तो उसने अचानक पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेंद्र कुमार उर्फ बाबू कश्यप पुत्र मैकूलाल निवासी ग्राम हरौनी थाना बंथरा के रूप में की गई। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह नाबालिग से दुष्कर्म के प्रकरण में शामिल था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। आरोपी के पास से एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं।पुलिस अभिलेखों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी लंबा है। उसके खिलाफ वर्ष 2018 में मुकदमा अपराध संख्या 384/2018/धारा 363, 366, 452, 392, 506 भादवि के तहत और वर्ष 2020 में मुकदमा अपराध संख्या 370/2020 धारा 13 उत्तर प्रदेश सार्वजनिक द्युत (जुआ) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है। वर्तमान में वह दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के मामले में वांछित था।घायल आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकरण से जुड़े अन्य वांछित अभियुक्तों की तलाश में दबिशें जारी हैं और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

आलमबाग जा रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत, मानकनगर पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की

लखनऊ,(आरएनएस) राजधानी लखनऊ में बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में देवपुर नई बस्ती, थाना पारा निवासी राहुल नामक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि राहुल पार्सल का कार्य करता था और गुरुवार रात लगभग नौ बजे ई–रिक्शा से अपने घर से आलमबाग जाने के लिए निकला था। देर रात सिलिपर गार्ड मेंहदीखेड़ा के पास पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने उसके रिक्शे में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि राहुल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा।स्थानीय लोगों की सूचना पर थाना मानकनगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायल राहुल को तत्काल लोकबंधु अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने घटना की जानकारी दर्ज करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।इस संबंध में मृतक के पिता श्यामू निवासी देवपुर नई बस्ती, थाना पारा ने पुलिस को लिखित तहरीर दी। तहरीर में बताया गया कि उसका पुत्र राहुल पार्सल का काम करता था और रोज की तरह गुरुवार रात को भी वह आलमबाग कहकर घर से निकला था, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने उसकी जान ले ली। वादी की तहरीर के आधार पर थाना मानकनगर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 57ध्2025 धारा 281ध् 106 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि हादसे में शामिल वाहन की पहचान की जा सके। प्राथमिक जांच में यह संभावना जताई जा रही है कि राहुल के रिक्शे को पीछे से किसी तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मारी, जिससे वह नियंत्रण खो बैठा और गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।थाना मानकनगर पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन की तलाश के लिए जांच टीमें गठित कर दी गई हैं और सभी संभावित मार्गों पर लगे कैमरों की फुटेज ली जा रही है। जल्द ही आरोपी वाहन चालक की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।स्थानीय लोगों ने बताया कि सिलिपर गार्ड मेंहदीखेड़ा के पास रात के समय भारी वाहनों की तेज रफ्तार से आवाजाही होती है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से इस स्थान पर स्पीड ब्रेकर लगाने और यातायात व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।पुलिस ने मृतक के परिजनों को सांत्वना देते हुए आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषी वाहन चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और स्थानीय लोग मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जता रहे हैं।

नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में अभियुक्त को पांच वर्ष की सजा, लखनऊ पुलिस के 'अश्परेशन कन्विक्शन' की बड़ी सफलता

लखनऊ। (आरएनएस) मिशन शक्ति 5.0 और ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत लखनऊ पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत के मामले में दोषी पाए गए अभियुक्त को माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायालय (स्पेशल पाक्सो एक्ट कोर्ट–2) ने पांच वर्ष के कठोर कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला 16 अक्टूबर 2025 को सुनाया गया।यह मामला थाना चौक क्षेत्र का है, जहां 2 अक्टूबर 2015 को वादी ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर थाना चौक में मु0अ0सं0 365 |15 धारा 354 भादवि और 10 पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान वैज्ञानिक व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य संकलित करते हुए विवेचक उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने अभियुक्त मोहम्मद राशिद उर्फ अनीस अहमद पुत्र मोहम्मद इश्तियाक, निवासी मुसाहिबगंज थाना ठाकुरगंज लखनऊ के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया।

अखिलेश यादव का आरोप भाजपा सरकार बेरोजगारी और महंगाई से जनता को कर रही त्रस्त

लखनऊ(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि वर्तमान शासन में न तो युवाओं के लिए भर्ती है और न ही अन्य रोजगार के अवसर। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का एजेंडा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्ग के आरक्षण को खत्म करना और हर काम को आउटसोर्सिंग के जरिए करवाना है। इसके चलते न केवल आरक्षण की आवश्यकता खत्म हो जाती है, बल्कि ठेके लेने वालों से कमीशन और चंदा वसूली कर सरकार अपना खाजाना भर रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की अग्निवीर जैसी योजनाओं ने देश की सुरक्षा के साथ–साथ युवाओं के भविष्य पर भी खतरा पैदा कर दिया है। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी की स्थिति इतनी गंभीर है कि युवाओं के परिवारों में भी मायूसी का माहौल है। लोग अपने बच्चों को बेहतर भविष्य देने के लिए खेत और जमीन बेचकर उन्हें पढ़ाते हैं, लेकिन जब भर्ती और नौकरी के अवसर नहीं मिलते तो वे निराशा और नाउम्मीदगी में डूब जाते हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के शासन में कोई खुशखबरी नहीं है, बल्कि पीड़ा, दुख और अन्याय ही जनता को मिल रहे हैं। जनता अब 'हँसी–खुश्शी छीनने वाली भाजपा' को हटाकर ही वास्तविक उत्सव और त्योहार मनाएगी।अखिलेश यादव ने किसानों की समस्याओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं के साथ–साथ किसानों का भविष्य भी खराब कर दिया है। किसानों को खाद, बीज और कीटनाशक सही समय पर उपलब्ध नहीं हो रहे हैं और जो खाद मिलती है उसमें भी नकली सामग्री मिल रही है। मेहनत करके फसल उगाने वाले किसान को सरकार लागत मूल्य तक नहीं दे पा रही और बाजार में बिचौलियों के कारण उपभोक्ताओं को महंगे दाम चुकाने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों से किसान, नौजवान और आम जनता सभी बर्बाद हो रहे हैं।अखिलेश यादव ने स्पष्ट कहा कि यदि भाजपा सरकार नहीं जाती है तो भर्ती और रोजगार का सपना पूरा नहीं होगा और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं आएगा।

रेलवे डाकघर की महिला अधिकारी के रवैये से लोग परेशान

समय से पहले छोड़ देती हैं काउंटर, शिकायत दर्ज

सुल्तानपुर(आरएनएस)। रेलवे डाकघर में तैनात महिला अधिकारी सीमा जायसवाल के व्यवहार और कार्यशैली को लेकर उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी है। बताया जा रहा है कि रजिस्ट्री कराने आने वाले लोग उनके अखड़ रवैये से त्रस्त हैं। जानकारी के अनुसार सीमा जायसवाल की ड्यूटी का समय दोपहर 3 बजे से रात 10:30 बजे तक तय है, लेकिन वह अक्सर रात 9 बजे तक ही काउंटर छोड़ देती हैं। इससे उपभोक्ताओं को रजिस्ट्री, स्पीड पोस्ट और अन्य डाक सेवाओं के लिए लौटना पड़ता है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जब कोई व्यक्ति इस बात पर आपत्ति जताता है या उनसे सेवा समय का हवाला देता है, तो वह उल्टा लोगों से बहस और बदसलूकी पर उतर आती हैं। कुछ लोगो ने बताया कि विवाद से बचने के लिए यह उल्टा खुद मुकदमा दर्ज कराने की ध ामकी भी देती है। इसी रवैये से परेशान होकर कार्तिक पांडेय नामक उपभोक्ता ने उच्चाधिकारियों को लिखित शिकायत भेजी है और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय नागरिकों ने भी कहा है कि अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो जल्द ही सामूहिक रूप से शिकायत दर्ज कराई जाएगी। लोगों का कहना है कि डाकघर जैसी सार्वजनिक सेवा में इस तरह का रवैया अस्वीकार्य है और विभाग को तत्काल जांच कर सख्त कदम उठाना चाहिए।

वर्षो से पत्रावली में चलता रहा बीटीसी कालेज, करोड़ों का फर्जीवाड़ा

डीएम के आदेश पर शुरू हुई जांच, 3 सदस्य टीम ने सौंपी रिपोर्ट

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिले में 12 साल से चल रहे फर्जी विद्यालय का प्रकरण जिला प्रशासन की संज्ञान में आया है। यह विद्यालय 2012–13 के दौरान अस्तित्व में आया था। लेकिन आज तक पत्रावली से बाहर आने की राह देख रहा है। हैरतअंगेज प्रकरण है कि प्रतिवर्ष लगभग 50 बच्चे इस कागजी विद्यालय से डिग्री लेकर भविष्य की ओर अग्रसर है।

पूरा मामला सुल्तानपुर जिले के धनपतगंज विकासखंड अंतर्गत उषा सिंह शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान कोरों से जुड़ा हुआ है। सत्र 2012–13 के दौरान शासन की अनुमति पर इस विद्यालय का संचालन कागज में पाया गया है। विभागीय रिकार्ड की मानें तो सबसे पहले विद्यालय की नींव धनपतगंज के कोरों में रखी गई। तत्कालीन अधिकारियों ने विद्यालय की काल्पनिक फोटो बनाकर उसके सामने अपनी उपस्थिति के फोटो तक खिंचवाए हैं। हैरतअंगेज बात है कि 2017 में मझवारा में यह विद्यालय स्थानांतरित किया गया लेकिन यहां भी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की पत्रावली से विद्यालय धरातल पर अस्तित्व में नहीं आ सका। जिलाधिकारी कुमार हर्ष के प्रकरण संज्ञान में आने के पश्चात उपनिदेशक कृषि राम आसरे के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच करने टीम मौके पर पहुंची तो ग्रामीण हैरत में आ गए। ग्रामीणों के मुताबिक ऐसा कोई विद्यालय आज तक नहीं देखा गया है। डीडी कृषि रामाश्रय का कहना है कि विद्यालय पत्रावली में तो मौजूद है लेकिन धरातल पर नहीं पाया गया है। तीन सदस्य जांच रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई है।

नगर निगम के दिए से गुलजार होगी निषाद बस्ती

अयोध्या।(आरएनएस) निषाद बस्ती दीपोत्सव के मौके पर नगर निगम के दिए से गुलजार होगी। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर निगम की टीम के साथ गुप्तारघाट पर दीपोत्सव के मद्देनजर दिए व तेल के साथ लोगों को शर्ट वितरित किया। उन्होंने निर्मली कुंड जाकर दीपोत्सव की सामग्री लोगों को भेंट की।इस मौके पर पार्षद अनुज दास, पार्षद प्रतिनिध ि रीशू पांडे, अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, राममिलन निषाद, नीलम जायसवाल, श्याम लाल निषाद, वीरेंद्र वर्मा, रिंकू निषाद, राकेश निषाद, वासुदेव निषाद आदि मौजूद रहे। महापौर ने कहा केंद्र की नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की कोशिश हर घर में उजाला लाने की है।उन्होंने कहा कि नगर निगम उनकी उम्मीदों के अनुरूप जरूरतमंदों के लिए हर वक्त खड़ा है।

अयोध्या नगर की जनता को खूबसूरत तपोवन समर्पित

अयोध्या(आरएनएस)। नगर निगम अयोध्या ने नवविकसित खूबसूरत पार्क तपोवन समारोहपूर्वक आम नागरिकों को समर्पित किया। पार्क का लोकार्पण महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने किया। उन्होंने कहा कि सरयू तट पर स्थित पार्क जल्द ही अयोध्या वासियों के भ्रमण का केंद्र बनेगा। सरयू तट स्थित रामकथा पार्क की विपरीत दिशा में स्थित पुष्प वाटिका को नए रूप में विकसित किया गया है और उसे तपोवन का नाम दिया गया है। यहां वेलकम लोगो एवं तपोवन लोगों के साथ ही सेल्फी लेने की सुविधा भी उपलब्ध है। लोकार्पण के समय महापौर ने कहा कि नव विकसित अयोध्या में हरियाली लाने की कोशिश की जा रही है। यह पार्क भी इसी कड़ी का हिस्सा है। इस पार्क के विकास से अयोध्या के लोगों को स्वजनों के साथ टहलने और शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम में नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार मौजूद थे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आभा की दृष्टि से यह पार्क सर्वोत्तम है। अयोध्या वासियों को यहां जरूर आना चाहिए।

बरनवाल जनसेवा समिति ने क्षय रोगियों को लिया गोद

उनके खान-पान व दवा-ईलाज का रखेगी ख्याल

सुल्तानपुर(आरएनएस)। बरनवाल जनसेवा समिति द्वारा शुक्रवार को अमहट स्थित क्षयरोग अस्पताल पहुंचकर क्षय रोगियों को गोद लेकर पोषण पोटली वितरित किया। समिति द्वारा पूर्व में भी तीन बार पांच–पांच क्षयरोगियों को गोद देकर उनके खानपान दवा, ईलाज की जिम्मेदारी बखूबी निभाई है, बरनवाल जनसेवा समिति द्वारा अभी तक कुल 90 पोषण पोटली वितरित किया जा चुका है। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक गुलाब चंद बरनवाल, अध्यक्ष देवेश कुमार बरनवाल, सदस्य इंद्रमनी बरनवाल, अजय कुमार बरनवाल, मौजूद रहें, बरनवाल जनसेवा समिति द्वारा क्षयरोगियों को पौष्टिक आहार किट वितरित करने के अवसर पर जिला क्षयरोग अधिकारी डा.आर.के. कन्नौजिया, उपजिला क्षयरोग अधिकारी डा. शफीउर्र रहमान, सुरेश कुमार,के.के. तिवारी, विवेक मिश्रा, राजीव लोचन पाण्डेय, पंकज तिवारी, श्यामलाल किशोर श्रीवास्तव, जुबेर एवं शहजाद उपस्थिति रहे ! क्षयरोगी विनय पाण्डेय, अर्चना पाण्डेय, पूजा पाण्डेय,प्रीति निषाद, उमा, मनीष,को पोषण पोटली देकर सहयोग किया गया।

मृतक प्रमाण पत्र के एवज में महिला पंचायत सचिव ने मांगे बीस हजार रुपये

बल्दीरायध्सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत के गौरा बारामऊ में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी अंतिमा पाठक के ऊपर मृतक प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में 20000 रुपए मांगने का आरोप लगाया गया है। पूरा मामला विकास खन्ड बल्दीराय की ग्राम पंचायत गौरा बरामऊ का है गांव निवासी मुस्ताक अहमद ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उसके पिता सलीम की मृत्यु दिनांक 15ध08ध23 को हो चुकी है उसकी माता मरियम खातून ने मृत्यु प्रमाण बनवाने के लिए उप जिलाध िकारी के यहां आवेदन किया था। तहसील पटल से उक्त आवेदन जब अग्रिम कार्यवाही हेतु ब्लाक के पटल पर गया तो वहां पंचायत सचिव अंतिमा पाठक ने अपने आऊटसाइडर के माध्यम से मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में बीस हजार रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता मुस्ताक अहमद ने बताया जब इतना पैसा देने से इंकार किया तो पंचायत सचिव का आउट साइडर ललित ने जब तक पूरा पैसा नही दोगे तब तक प्रमाण पत्र जारी नही होगा। मुस्ताक अहमद ने इसकी शिकायत उप जिलाधिकारी बल्दीराय से की है । पंचायत सचिव अंतिमा पाठक का कहना है कि शिकायतकर्ता द्वारा लगाया गया पैसा मांगने का आरोप पूरी तरह झूठा और निराधार है। इस बाबत उपजिलाधिकारी बल्दीराय प्रवीण कुमार ने बताया कि शिकायत को तुरंत संज्ञान में लेकर जांच खंड विकास अधिकारी बल्दीराय को कार्यवाही के लिए सौंपी गई है। जांच में दोषी पाए जाने पर कार्यवाही होगी।

किसानों की भूमि उनकी जीवनरेखा-अरविन्द यादव

अयोध्या(आरएनएस)। विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी द्वारा किसानों की अधिग्रहित भूमि का न्यायोचित मुआवजा न दिए जाने के विरुद्ध भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले आज बड़ी संख्या में किसान गांधी पार्क, अयोध्या में एकत्रित होकर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन पर बैठे। यह आंदोलन किसानों की आर्थिक, सामाजिक एवं मानसिक पीड़ा को उजागर करने के साथ–साथ प्रशासन की उदासीनता पर कड़ा प्रहार है। किसानों का कहना है कि उनकी भूमियों का अधिग्रहण सरकारी योजनाओं के तहत कर लिया गया, किंतु नियमानुसार मुआवजा अभी तक प्रदान नहीं किया गया। अधिकारियों के बार–बार आश्वासनों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने से किसान गंभीर संकट में हैं। जिला अध्यक्ष अरविंद यादव ने धरने को संबोधित करते हुए कहा, "किसानों की भूमि उनकी जीवनरेखा है। उचित मुआवजा न मिलने पर हम राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।" धरने में शामिल किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट के माध यम से जिलाधिकारी महोदय को संबोधित ज्ञापन सौंपा, जिसमें कहा गया है कि अधिग्रहित भूमि के एवज में सभी प्रभावित किसानों को तत्काल न्यायोचित मुआवजा प्रदान किया जाए। माझा बरहटा में गाटा संख्या 1052 के किसानों को अविलंब मुआवजा दिया जाए। छुट्टा जानवरों को पकड़वाकर गौशाला भेजा जाए, ताकि फसलों को नुकसान से बचाया जा सके। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो किसान लखनऊ या दिल्ली में विशाल आंदोलन करेंगे। यह धरना किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए आयोजित किया गया, जिसमें सभी वर्गों के किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रमुख रूप से उपस्थित रहेः प्रदेश सचिव जगतपाल सिंह, महानगर अध्यक्ष अजय यादव, जिला महासचिव राम अभिलाष यादव, जेपी किसान रामप्यारी धुरिया, राजरानी, नरेंद्र विश्वकर्मा, कालीदीन मौर्य, संतोषी मौर्य, दिनी राम यादव, भगवान प्रसाद, रंजीत राम, सुरेश धुरिया, जिला उपाध्यक्ष राजमणि यादव, संजय यादव, रामनाथ सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

एग्रीमेंट के बाद बैनामा करने में हीलाहवाली कर दूसरे को एग्रीमेंट करने का आरोप

अयोध्या। (आरएनएस)थाना पूराकलंदर के रहने वाले अमरजीत यादव ने जमीन विवाद को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि अमानीगंज निवासी रामचन्दर पुत्र बिरजू ने जमीन का विक्रय अनुबंध ा करने के बाद बैनामा करने में हीलाहवाली करते हुए दूसरे व्यक्ति के साथ नया एग्रीमेंट किया।

उन्होंने बताया कि सतीश मिश्र के साथ मिल कर रामचन्दर से एक जमीन का खरीदने का एग्रीमेंट किया तथा 20 लाख रूपये का भुगतान किया। आरोप है कि बैनामा करने में लगातार हीलाहवाली की। तथा उसी जमीन का दूसरे व्यिक्त को एग्रीमेंट कर दिया। अमरजीत यादव का आरोप है कि जमीन पर निर्माण कार्य को तोड़ने का प्रयास किया गया। जब उन्होंने इसे रोकने की कोशिश की, तो कथित रूप से रामचन्दर और उसके समर्थक उनके साथ मारपीट किया।

पीड़ित ने इस मामले में एसपीआरए बलवंत कुमार चौधरी को प्रार्थना पत्र देकर उचित कार्रवाई की मांग की है। पीडित का आरोप है कि रामचन्दर शातिर किस्म का व्यक्ति है और उसके खिलाफ जनपद के विभिन्न थानों में पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं। अमरजीत यादव ने कहा कि वह इस मामले में न्याय चाहते हैं और संबंधित अधिकारियों से अनुरोध ा किया है कि जमीन विवाद और मारपीट के आरोपों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

विधायक ने फसल अवशेष प्रबंधन हेतु विचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या।(आरएनएस) सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता के द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के प्रचार प्रसार हेतु पराली ना जलाने के संबंध में विचार रथ को हरी झंडी दिखाकर जनपद के 11 ब्लॉकों में प्रचार रथ को भेजा गया जिससे जनपद के समस्त किसानों के बीच में पराली न जलाने हेतु अनुरोध किया गया कि पराली को न जलाए इसका खाद बनाए। पराली जलाने से वायु प्रदूषण होता है और मिट्टी में पाए जाने वाले मित्र कीट नष्ट होते है मिट्टी में वायु की मात्रा कम होती है फसल उत्पादन कम होता है। पराली जलाने पर सरकार द्वारा अर्थ दण्ड निर्धारित किया गया है। 2 एकड़ भूमि तक 5000 रूपये दो एकड़ से 5 एकड़ तक 10000 रूपये 5 एकड़ से अधिक फसल जलने पर 30000 रूपये तक जुर्माना है।

फैजाबाद पुस्तक मेला के अन्तिम दिन 'मुशायरा व कवि सम्मेलन' सम्पन्न

अयोध्या।(आरएनएस) विश्व प्रसिद्ध अयोध्या नगरी के कोहिनूर पैलेस में 16वें फैजाबाद पुस्तक मेले में अंतिम दिन अजीमुश्शान "मुशायरा व कवि सम्मेलन" गंगा जमुना तहजीब व आपसी सद्भाव के सार्थक संदेश, शब्दों की मिठास के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में धूमधाम से संपन्न हुआ।

मुशायरे की अध्यक्षता करते वरिष्ठ कवित्री निरुपमा श्रीवास्तव ने गजल के साथ साथ "मैं हिन्दी हूं" कविता पढ़ी प्रोग्राम के संयोजक और नाजिम ए मुशायरा मुजम्मिल फिदा ने अपनी बेहतरीन निजामत के साथ साथ तरन्नुम से गजल पढ़कर खूब्ब वाह वाह लूटी, मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ की डा. श्वेता श्रीवास्तव ने कई गजलें पढ़कर श्रोताओं को सोचने पर मजबूर किया, विशिष्ट अतिथि के रूप में बाराबंकी से पधारे इमरान आलियाबादी और अजीम आलियाबादी ने अपनी शानदार गजलों से प्रोग्राम को ऊंचाई की हद तक पहुंचा दिया, इस मौके पर हर साल की तरह इस साल भी एन.डी खत्री ट्रस्ट की ओर से हिन्दी साहित्य साधना के लिए वरिष्ठ आलोचक प्रोफेसर डॉ रघुवंश मणि त्रिपाठी और उर्दू अदब के लिए उस्ताद शायर इशरत हुसैन इशरत को मेला प्रभारी श्रीमती रीता खत्री, ट्रस्टी राजकुमार खत्री द्वारा सामूहिक रूम से शाल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया । वरिष्ठ शायर रामजीत यादव याराजी बेदार ने अपनी किताब जलते सवालों से कई गजलें पढ़ी, जिन्हें सुनकर उपस्थित श्रोतागण झूम उठे और सोचने पर विवश हो गए, सरदार जसवंत अरोड़ा और नीरज सिन्हा नीर ने अपने हास्य व्यंग से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया, एड. राजीव श्रीवास्तव की गजल खूब्ब सराही गई, डा. ताराचंद तन्हा, विनीता कुशवाहा महक गोंडवी, पूजा श्रीवास्तव भी अपनी रचनाओं के लिए खूब्ब सराहे गए वर्षा मिश्रा, ज्योति मिश्रा, सुप्रिया मिश्रा, तृप्ति मिश्रा और ज्योति मिश्रा ने भी अपनी हस्ताक्षर रचनाएं पेश कीं। संयोजिका नमिता मेहरोत्रा की देखरेख में छात्राओं द्वारा महिला सशक्तिकरण आधारित शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों द्वारा नुक्कड़ नाटक में महिलाओं की सहनशक्ति, कार्यकुशलता व सहनशीलता का अनुसरणीय व विचारणीय मंचन किया गया, पुस्तक मेला की सांध्य बेला नारायण दास खत्री मेमोरियल ट्रस्ट के आयोजन पर आटोग्राफ सेशन में प्रख्यात कवि आलोक श्रीवास्तव जावेद अख्तर व आशुतोष राना की भूमिका में गजल संग्रह पुस्तक "आसान" पर अध्यक्षा कुसुम मित्तल सहित सैंकड़ों लोगों ने आटोग्राफ लिए ।पुस्तक मेले के दूसरे क्रम में किस्सा कहानी हिमांशु बाजपेई की जुबानी में कहानीकार डा हिमांशु बाजपेई ने शिक्षा व समाज की कहानियों से लेकर प्रभु राम का वृत्तांत सुनाया छात्र छात्राएं व श्रोतागण भावविभोर हुए, श्री बाजपेई को ट्रस्ट प्रभारी रीता खत्री, कोषाध्यक्ष राजकुमार खत्री, डॉ अतुल भटनागर कार्यक्रम संयोजिका नमिता मेहरोत्रा, रजत खत्री, अंकुर खत्री ने सम्मानित किया। पुस्तक मेला कार्यक्रम में शिरकत कर अपनी शानदार प्रस्तुति देने वाले सभी कवियों और कलाकारों ने कंठ मुक्त से ऐसे साहित्यिक आयोजन करने के लिए सचिव डॉक्टर निर्मल खत्री की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से क्षेत्रीय प्रतिभाओं को तो सामने आने का बेहतरीन मौका मिलता ही है, लगभग विलुप्त हो रही विधाओं को भी पुनर्जीवित करने का अवसर कलाकारों को मिल रहा है आयोजन के लिए सभी फनकारों, कलाकारों ने आयोजक मंडल को धन्यवाद दिया। इस अवसर अति सम्मानित हस्तियों में ट्रस्ट अध्यक्ष कुसुम मित्तल, प्रोफेसर ए. के. मित्तल, प्रोफेसर अतुल भटनागर, प्रभात टंडन, राकेश केसरवानी, नमिता मेहरोत्रा, डा मिर्जा साहब शाह, एड अतीक अहमद खान, जरीना मुस्तफा खान, वरिष्ठ पत्रकार उग्रसेन मिश्र, राजेंद्र सिंह, लोक गायक दुर्गा प्रसाद तिवारी आफत, वरिष्ठ लेखक समालोचक डा आर. डी आनन्द आदि सैकड़ों की तादाद में वरिष्ठ जन मौजूद रहे।

राम की पैड़ी पर बनेगी 80 हजार दीयों से सजी रंगोली

अयोध्या।(आरएनएस) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस बार का नवम दीपोत्सव–2025 अयोध्या को नई सांस्कृतिक ऊँचाइयों पर ले जाने वाला है। रामनगरी न केवल लाखों दीपों की रोशनी में नहाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश की लोक कला, परंपरा और आध यात्मिकता का अनूठा संगम भी प्रस्तुत करेगी। इस वर्ष राम की पैड़ी का दृ श्य सबसे अलग होगा। यहां 80 हजार दीयों से सजाई जा रही रंगोली अद्भुत दृश्य पेश करेगी, जो भक्तिभाव, सौंदर्य और कला की गहराई को एक साथ दर्शाएगी। अयोध्या दीपोत्सव के इतिहास में पहली बार राम की पैड़ी पर इतनी बड़ी दीप–रंगोली बनाई जा रही है। यह पारंपरिक चौक पूरने की कला पर आधारित है, जिसमें मिट्टी के दीयों, रंगों और फूलों का संयोजन किया जा रहा है। इस अद्वितीय रंगोली में लगभग 80 हजार दीपों को इस प्रकार सजाया जाएगा कि ऊपर से देखने पर यह ईश्वर आमंत्रण के प्रतीकात्मक रूप में नजर आएगी मानो खुद श्रीराम के आगमन के स्वागत में धरती सजी हो। रंगोली की डिजाइन में कलश, स्वास्तिक और कमल पुष्प जैसे पारंपरिक प्रतीकों का समावेश किया गया है।कलश समृद्धि और मंगल का प्रतीक है, स्वास्तिक शुभता और सकारात्मकता का संकेत देता है,और कमल पुष्प भक्ति, पवित्रता और श्रीराम के दिव्य जीवन का प्रतीक माना गया है। इन प्रतीकों को रंगों और दीपों से इस तरह गूंथा जा रहा है कि प्रत्येक रेखा और हर दीया एक कथा कहेगा श्रद्धा, सौंदर्य और संस्कृति की।

लोक संस्कृति में "चौक पूरना" वह शुभ क्षण होता है जब किसी देवता को आमंत्रित किया जाता है। यह कला न केवल सजावट का माध्यम है, बल्कि यह उस संवाद का प्रतीक भी है जो मनुष्य और ईश्वर के बीच होता है। राम की पैड़ी पर यह चौक पूरने की शैली एक भव्य और जीवंत रूप में प्रस्तुत होगी रंगों से सजी, दीपों से जगमगाती और भक्ति की ऊर्जा से ओतप्रोत। इस अनूठी दीप–रंगोली को तैयार कर रही है डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की कला विभाग की टीम। 50 छात्राओं ने मिलकर इस रंगोली को डिजाइन और तैयार किया है। हर छात्रा अपने हिस्से की दीया सज्जा, रंग भराई और पैटर्न बनाने में पूरी निष्ठा से लगी हुई है।

रंगोली की प्रमुख संयोजक और कला विभाग की प्रतिभाशाली कलाकार डॉ सरिता द्विवेदी ने बताया राम की पैड़ी पर बनाई जा रही यह रंगोली हमारे लिए केवल एक कला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव है। हर रंग, हर दीया, हर आकृति में हमने अपनी भावना और श्रद्धा उड़ेल दी है। जब इतने सारे दीप एक साथ प्रज्वलित होंगे, तो वह दृश्य सिर्फ प्रकाश नहीं बिखेरेगा, बल्कि यह पूरी अयोध्या की आत्मा को प्रकाशित करेगा। रंगोली बनाने में पारंपरिक गेरू, चावल के आटे, प्राकृतिक रंग और मिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है ताकि इसकी मौलिकता और पारंपरिक सौंदर्य बना रहे। दीपों को सजाने के लिए मिट्टी के स्थानिक कारीगरों की भी मदद ली गई है।

हर हिस्से को इस तरह जोड़ा गया है कि जब सूर्य अस्त होगा और दीप प्रज्वलित होंगे, तब पूरी रंगोली एक दिव्य छवि में परिवर्तित हो जाएगी, मानो धरती पर देवताओं ने स्वयं दीप जला दिए हों। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से दीपोत्सव केवल एक धार्मिक पर्व नहीं रहा, बल्कि यह कला, संस्कृति और नवाचार का उत्सव बन चुका है। इस वर्ष अयोध्या का दीपोत्सव भारतीय लोक कला को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने का माध्यम बन रहा है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट दृ ष्टिकोण है दीपोत्सव केवल दीपों का नहीं, बल्कि अयोध्या की आत्मा को जगमगाने का पर्व है। राम की पैड़ी पर 80 हजार दीपों से सजी यह रंगोली जब दीपोत्सव की रात चमकेगी, तो उसका दृश्य ऐसा होगा मानो धरती पर सितारे उतर आए हों। अयोध्या के हर कोने में तब एक ही स्वर गूंजेगा "जय श्रीराम!"और उस क्षण यह रंगोली केवल एक कलाकृति नहीं, बल्कि भक्ति और भारतीयता की जीवंत तस्वीर बन जाएगी।

बीते 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में यूको बैंक ने किया शानदार प्रदर्शन

अयोध्या।(आरएनएस) शुक्रवार को यूको बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सी.ई.ओ. अश्वनी कुमार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 की 30सितंबर को समाप्त द्वितीय तिमाही में बैंक केवित्तीय परिणामों की घोषणा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गईजिसका प्रसारण यूको बैंक के प्रधान कार्यालय कोलकाता से किया गयाजिसमे यूको बैंक के समस्त अंचल कार्यालयों ने भाग लिया। अंचल कार्यालय अयोध्या भी अंचलप्रमुख एवं समस्त स्टाफसहित वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रेस वार्ता से जुड़ा। अश्वनी कुमार ने सभी प्रेस संवाददाताओं के सवालों का जवाब दिया तथा संबोधित करते हुए बताया कि द्वितीय तिमाही में बैंक का कुल कारोबारवर्ष–दर–वर्ष 13.23 प्रतिशत बढ़कर रूपया 5,36,398 करोड़होगया। सकल ऋण वर्ष–दर–वर्ष 16.56 प्रतिशत बढ़कर रूपया 2,30,702करोड़ तथा कुल जमा वर्ष–दर–वर्ष 10.85 प्रतिशत बढ़कर रूपया 3,05,697 करोड़ हो गया।तिमाहीमेंबैंककावर्ष–दर–वर्ष शुद्ध लाभ 2.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ सितंबर 2024के घ603करोड़सेबढ़कर सितंबर 2025में रूपया 620करोड़ रुपये हो गया,परिचालन लाभ वर्ष–दर–वर्ष 12.64 प्रतिशत बढ़कर रूपया 1613 करोड घ्रुपये हो गया एवं नेटएनपीए 30 बीपीएस घट कर 0.43 प्रतिशत रह गया। खुदरा, कृषि और एम.एस.एम. ई. (रैम) क्षेत्रों में अग्रिमदृ बैंक का रैम सेगमेंट वर्ष–दर–वष ź22.87 प्रतिशत बढ़कर रूपया 1,32,946 करोड़ हो गया।

अयोध्या दीपोत्सव 2025 रामायण के अध्यायों पर आधारित कलात्मक नजारे श्रद्धालुओं को करेंगे आकर्षित

अयोध्या।(आरएनएस) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि दीपोत्सव 2025 केवल प्रकाश पर्व न होकर, श्रद्धा, संस्कृति और डिजिटल अनुभव का ऐसा संगम बने जो विश्व को अयोध्या की नई पहचान दे। इसी कड़ी में अयोध्या ध ाम को और भव्य स्वरूप देने के लिए 20 विशेष "सेल्फी प्वाइंट" तैयार किए जा रहे हैं। ये सेल्फी प्वाइंट रामायण के विभिन्न अध्यायों पर आध ारित होंगे और धर्मपथ, लता चौक, राम की पैड़ी तथा रामकथा पार्क सहित प्रमुख स्थलों पर स्थापित किए जा रहे हैं।

हर सेल्फी प्वाइंट की थीम रामायण के किसी खास प्रसंग से जुड़ी होगी। इनमें सुमेरु पर्वत को लेकर उड़ते हुए हनुमान जी, भगवान श्रीराम को वर्षा से बचाने के लिए केले के पत्ते के नीचे खड़े हनुमान, श्रीराम और लक्ष्मण को कंधे पर लेकर उड़ते हनुमान, जटायु से वार्तालाप करते प्रभु श्रीराम, अशोक वाटिका में मां सीता से भेंट करते हनुमान, रावण वध का दृश्य, भगवान राम और माता सीता से मिलते केवट, रावण पर बाण चलाते श्रीराम, लंका दहन करते हनुमान, अग्नि परीक्षा देती मां सीता जैसे भावनात्मक व प्रेरक दृश्य शामिल हैं। इन संरचनाओं को विशेष रूप से धनुष के आकार में कार्विंग किया जा रहा है, जो अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान और प्रभु श्रीराम के प्रतीक को जीवंत करेगा।श्रद्धालु इन सुंदर सेल्फी प्वाइंट्स के साथ तस्वीरें लेकर दीपोत्सव की स्मृति को हमेशा के लिए सहेज सकेंगे। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा चयनित कार्यदायी संस्था सार्क मीडिया इन सेल्फी प्वाइंट्स का निर्माण कर रही है। संस्था के संचालक सौरभ कुमार सिंह ने बताया,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या केवल धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि आधुनिक कला और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र बन रही है। ये 20 सेल्फी प्वाइंट श्रद्धालुओं को 'रामायण अनुभव' से जोड़ने का माध्यम बनेंगे। हमारा उद्देश्य है कि हर आगंतुक अपने कैमरे में अयोध्या की अनोखी सांस्कृतिक झलक कैद कर सके।

अयोध्या दीपोत्सव 2025 में इन थीमैटिक इंस्टॉलेशनों के माध्यम से डिजिटल आकर्षण और पारंपरिक भक्ति का मेल देखने को मिलेगा। श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए ये सेल्फी प्वाइंट 'रामायण के प्रसंगों को जीवंत रूप में देखने और अनुभव करने' का अद्भुत अवसर प्रदान करेंगे।दीपोत्सव के दौरान जब ध र्मपथ, राम की पैड़ी और लता चौक रोशनी से नहाएंगे, तब इन कलात्मक पृष्ठभूमियों के साथ ली गई तस्वीरें अयोध्या की भव्यता की।

हादसे में महिला की मौत, 12 छात्रायें घायल

जौनपुर (आरएनएस)। जिले के बरसठी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राएं और उनके अभिभावक घायल हो गए। बारिगांव स्थित विद्यालय से दिवाली की छुट्टी के बाद घर लौटते समय एक ऑटो पलट गया। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई। जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, दो छात्राओं को भी चोटें आईं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरसठी में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल महिलाओं को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। यह हादसा बरसठी थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप से लगभग 50 मीटर दूर निगोह मार्ग पर हुआ। करीब दर्जनभर छात्राएं और उनके चार अभिभावक एक ऑटो में सवार होकर मियाचक से निगोह की ओर जा रहे थे। ऑटो चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन सड़क किनारे झाड़ियों में पलट गया। सूचना मिलने पर बरसठी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने ऑटो चालक दीपक मोदनवाल (निवासी मियाचक, हंसिया) को हिरासत में ले लिया है।

यूपी की राज्यपाल महिलाओं बच्चों की बदहाली पर चुप क्यों?

उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई।उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लिव–इन रिलेशनशिप को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं को चेतावनी दी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। पटेल का कहना है कि दूर रहें, वरना आप 50 टुकड़ों में मिलेंगी। यह टिप्पणी उनके पिछले दावे के ठीक अगले दिन आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि लिव–इन रिलेशनशिप का असर देखने के लिए किसी अनाथालय में जाना चाहिए, जहाँ 15 साल की लड़कियाँ अपने बच्चों के साथ कतार में खड़ी होती हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और न्यायाधीशों के साथ बैठक में भी छात्रों को लिव–इन रिलेशनशिप से बचाने के उपाय सुझाए थे।राज्यपाल पटेल का यह बयान निश्चित तौर पर युवतियों को जागरुक करने वाला और लिव इन रिलेशनशिप के खतरों से आगाह करने वाला है। सवाल यही है कि क्या उत्तर प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के समक्ष यही एक खतरा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने महिलाओं से जुड़े सिर्फ एक खतरे के सावचेत रहने की सीख दी है। लिव इन रिलेशनशिप के नकारात्मक पहलू हैं जरूर, लेकिन इस चलन

अभी व्यापक रूप से नहीं है। महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अन्य खतरों को अनदेखा कर गई, क्योंकि शायद वहां भाजपा की सरकार है। अन्य खतरे लिव इन रिलेनशिप से कहीं ज्यादा गंभीर है। इनका निदान भी सरकार के लिए आसान नहीं है। राज्यपाल ने कभी इन खतरों का जिक्र तक नहीं किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो–वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बैंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली हैं। उत्तर प्रदेश जहां महिला अपराधों में अग्रणी है, वहीं महिलाओं और बच्चों के अन्य मामलों में पिछड़ा हुआ है। देश के 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 63 जिलों में 50 फीसदी से अधिक बच्चे आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और कुपोषित पाए गए हैं जिनमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर के अनुसार महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम के कुछ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 34 जिले ऐसे हैं जहां बच्चों में कुपोषण की दर 50 फीसदी से अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट (2024–25) के अनुसार, विगत वर्षों में सुधार के बावजूद उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक बाल मृत्यु दर वाले राज्यों में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 43 बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं। वर्तमान शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 1,000 जीवित जन्मों पर 38 है, जबकि नवजात मृत्यु दर(आईएमआर) 28 है। यूनिसेफ इंडिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार लगभग 46ः मातृ मृत्यु और 40ः नवजात मृत्यु प्रसव के दौरान या जन्म के बाद पहले 24 घंटों के भीतर हो जाती हैं। उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआइएसई) की वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 18 प्रतिशत सरकारी स्कूलों, अर्थात लगभग 27,000 स्कूलों के भवन जर्जर स्थिति में हैं। इनमें से कई स्कूलों की छतें और दीवारें खघ्तरनाक स्थिति में हैं। लखनऊ में प्राथमिक विद्यालय और नसीराबाद में छत का प्लास्टर गिरने से दो बच्चे घायल हो गये। नोएडा और गोरखपुर के इलाकों से भी ऐसी ही घटनाएँ सामने आ चुकी हैं। एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन (एएसईआर) 2024 की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश के 22 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में कार्यशील शौचालय ही उपलब्ध नहीं हैं और 35 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं। लगभग 40 प्रतिशत विद्यालयों में तो नियमित स्वच्छता व्यवस्था ही नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और गम्भीर है, जहाँ शौचालयों की कमी के कारण लड़कियों की ड्रॉपआउट दर में 10–12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। शिक्षा मंत्रालय की 2024–25 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 28 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में पेयजल की सुविधा नहीं है और 40 प्रतिशत स्कूलों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं है। आश्चर्य यह है कि राज्यपाल आनंदी बेन ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चों से जुड़े इन मुद्दों का कभी जिक्र तक नहीं किया। बेहतर होता कि जिस तरह राज्यपाल पटेल ने लिव इन रिलेशनशिप से युवतियों को आगाह किया, उसी तरह योगी सरकार को भी आगाह करती तो शायद उत्तर प्रदेश में महिलाओं की मौजूदा हालत बेहतर हो सकती थी।

आखिर कौन बनेगा बिहार का अगला मुख्यमंत्री, गठबंधन सस्पेंस बरकरार! नीतीश-तेजस्वी के नाम की घोषणा का इंतजार

इस बात में कोई दो राय नहीं कि नीतीश कुमार को बिहार की समाजवादी सियासत का चाणक्य तब से कहा जाता है, जबकि भाजपा के राजनीतिक चाणक्य समझे जाने वाले अमित शाह सिर्फ गुजरात की सियासत तक सीमित थे।बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए टिकट के बंटवारे के बाद भले ही चुनाव प्रचार अभियान शुरू हो गया है, लेकिन भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), कांग्रेस नीत इंडिया महागठबंधन और जनसुराज पार्टी ने अपने–अपने मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस अभी तलक बरकरार रखा है। इससे मतदाताओं का संशय बढ़ता जा रहा है। इससे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को दिन में ही तारे नजर आ रहे हैं, क्योंकि गठबंधन सहयोगियों ने इनके पर कतर डाले हैं! यही वजह है कि एनडीए के घटक दल हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि मुख्यमंत्री का नाम अब स्पष्ट कर दिया जाना चाहिए। जबकि भाजपा, कांग्रेस और जनसुराज की सुविचारित रणनीति है कि मुख्यमंत्री के नाम का फैसला विधायक दल करेगा। सवाल है कि जीतन राम मांझी ने ऐसा क्यों कहा? क्या नीतीश कुमार के इशारे पर उन्होंने ऐसा कहा, या फिर कोई और बात है। बताया जाता है कि बिहार में जनता दल यूनाइटेड के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विगत दो दशकों से इस पद पर एन–केन–प्रकारेण काबिज हैं। बीच में उन्होंने कुछ समय के लिए दलित नेता जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनवाया था, लेकिन उनके रंग बदलने के बाद फिर से कमान अपने हाथ में ले लिए। वर्ष 2020 के चुनाव में कम सीटें मिलने के बाद भी भाजपा नेताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाये रखा, जिससे उनके सियासी महत्व का अंदाजा

लगाया जा सकता है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि नीतीश कुमार को बिहार की समाजवादी सियासत का चाणक्य तब से कहा जाता है, जबकि भाजपा के राजनीतिक चाणक्य समझे जाने वाले अमित शाह सिर्फ गुजरात की सियासत तक सीमित थे। ऐसे में नीतीश कुमार और उनके समर्थकों की इच्छा है कि भावी मुख्यमंत्री के लिए नीतीश कुमार के नाम की घोषणा की जाए। जबकि भाजपा सिर्फ इतना कहती है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही राजग चुनाव लड़ रहा है। समझा जा रहा है कि भाजपा, जदयू, लोजपा आर, हम और रालोमो के बीच टिकट बंटवारे को लेकर जो खींचातानी चली, उससे एनडीए की प्रतिष्ठा और साख दोनों प्रभावित हुई है। इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह फूंक–फूंक कर कोई भी कदम उठा रहे हैं। उन्हें डर है कि उम्रदराज नेता नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही युवा वर्ग एनडीए से छिटक सकता है। दूसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही एंटी इनकम्बेंसी फैक्टर हावी हो सकता है। तीसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के विरोधी भीतरघात कर सकते हैं। हालांकि, नीतीश कुमार को एक मौका और दिए जाने की वकालत एनडीए में जारी है। ठीक इसी प्रकार कांग्रेस भी इंडिया महागठबंधन के भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नाम का ऐलान करने से बचना चाहती है। क्योंकि उसे डर है कि ऐसा करते ही सवर्ण और दलित मतदाता कांग्रेस से छिटक जाएंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के पहले या बाद में इस वर्ग का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ा है। वहीं, अल्पसंख्यकों ने भी क्षेत्रीय दलों का साथ छोड़कर कांग्रेस को प्राथमिकता दी है। कांग्रेस पार्टी का गुप्त तौर पर यह भी मानना है कि राजद सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के जंगलराज (2000–2005) को बिहार के लोग नहीं भूले हैं। ये दोनों तेजस्वी यादव के माता–पिता हैं, जिनपर कई तरह के भ्रष्टाचार के मुकदमे चल रहे हैं। आईआरसीटीसी से जुड़े एक घोटाले में पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव का भी नाम शामिल है। खुद तेजस्वी यादव पर भी उपमुख्यमंत्री पद के दुरूपयोग के आरोप लगे हैं। यही वजह है कि राहुल गांधी उनके नाम के ऐलान से परहेज कर रहे हैं, क्योंकि कांग्रेसी रणनीतिकारों ने भी उन्हें यही सुझाव दिया है। इसी के चलते सीट बंटवारे में भी तेजस्वी यादव, कांग्रेस को उसका वाजिब हिस्सा नहीं दे रहे हैं। जब एक कमजोर कांग्रेस 2020 में 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तो 2024 के बाद मजबूत हुए कांग्रेस को 100 सीटें नहीं देना गठबंधन न्याय नहीं कहा जा सकता है।रही बात चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज की तो वह शुरू से ही बिना मुख्यमंत्री पद के नाम की घोषणा किए ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं और एनडीए और इंडिया महागठबंधन को नाको चने चबाने पर मजबूर कर रहे हैं। कहीं उनके उम्मीदवार एनडीए की हार की वजह बनेंगे तो कहीं इंडिया गठबंधन की हार की वजह बनेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एनडीए और इंडिया गठबंधन की लड़ाई के बीच जनसुराज के उम्मीदवार बाजी भी मार सकते हैं। समझा जाता है कि बिहार के मतदाता टीम लालू प्रसाद और टीम नीतीश कुमार को पिछले 35 सालों से आजमा रहे हैं।

सम्पादकीय

हम वैश्विक तबाही की ओर बढ़ रहे हैं

हम खतरनाक समय में जी रहे हैं! और यह न रूपक में, न मनोदशा में, बल्कि मापी जा सकने वाली सच्ची बात है। यह किसी हेडलाइन या चिंता से उपजी अतिशयोक्ति नहीं है। यह विज्ञान है। मानवता अब आत्मविनाश के कितने करीब पहुँच चुकी है, इसका प्रतीक ष्डूम्सडे क्लॉकष् का इस साल 89 सेकंड पर टिकना है, आधी रात के, यानी विनाश के, सबसे नजदीक।

श्बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्सश्य के वैज्ञानिकों और नोबेल विजेताओं की समिति ने यह समय इस साल आगे बढ़ाया, इस चेतावनी के साथ कि दुनिया अब परमाणु दुस्साहस, जलवायु अराजकता, तकनीकी अतिरेक और भ्रामक सूचनाओं के दलदल में डूब रही है।

उनके शब्दों में कृ ष्हम वैश्विक तबाही की ओर बढ़ रहे हैं कृ रूपक रूप में नहीं, बल्कि नापने योग्य रूप में।ष

और यह सब दिखता है। मौसम पागल हो चुका है। इस साल भारत ने ही काफी तबाही झेली, पहाड़ काँपने लगे हैं, नदियाँ विद्रोह कर रही हैं, और शहर अपनी ही महत्वाकांक्षा में घुट रहे हैं।

धरती को इतना खोदा जा चुका है कि जमीन अब खोखली महसूस होती है। यहाँ तक कि आसमान भी बदल गया है अब वह शांत, दार्शनिक नीला नहीं जो कभी हमें ठहरकर ऊपर देखने को मजबूर करता था। वह नीला अब जलता है, धुंध और ताप से धुँधला हुआ, जैसे क्षितिज पर खुद प्रकृति ने चेतावनी लिख दी हो।

लेकिन पतन सिर्फ प्राकृतिक नहीं है, वह राजनीतिक भी है और डरावनी बात यह है कि वह लोकतांत्रिक भी है। आज दुनिया की अव्यवस्था केवल तानाशाहों की बनाई नहीं है, उसे लोकतंत्रों ने भी मिलकर गढ़ा है, और शायद परिष्कृत भी किया है। जो देश कभी अंतरराष्ट्रीय नैतिकता के स्थापक थे, वे अब अपने ही घरों में उसे तोड़ रहे हैं। वे संस्थाएँ, जो सत्ता के अतिरेक से नागरिकों की रक्षा के लिए बनी थीं कृ संसदें, अदालतें, मीडिया, विश्वविद्यालय कृ वे सब राजनीतिक दबाव या जन–थकान के बोझ तले चरमराने लगी हैं। लोकतंत्रों के पुराने अब संतुलन नहीं बनाते।

वॉशिंगटन में, शासन पार्टीगत नाटक बन गया है। नई दिल्ली में, असहमति को देशद्रोह समझ लिया जाता है। यरूशलम में, न्यायपालिका एक व्यक्ति की इच्छा के आगे झुक जाती है। हमारे समय की अव्यवस्था अब सिर्फ वैश्विक नहीं, संस्थागत भी है, प्रणालीगत और आत्मनिर्मित। जो शुरुआत लोकतंत्र के क्षरण से हुई थी, वह अब उसके नए रूप में कठोर हो चुकी है यानी प्रदर्शनकारी जनवाद। अब सत्ता चुपचाप नहीं चलाई जाती, उसे रोज मंचित किया जाता है टीवी पर, सोशल मीडिया पर, रैलियों में। और जो संस्थाएँ सवाल उठाने के लिए बनी थीं, उन्हें हास्यास्पद बनाकर अप्रासंगिक किया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की अनदेखी की जाती है, अंतरराष्ट्रीय संधियाँ कमजोर कर दी गई हैं, और मानवाधिकार अब केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

जो व्यवस्था के रक्षक थे, वही अब उसे अस्थिर करने वाले बन गए हैं, शक्ति और सुविधा की भाषा में कानून को फिर से लिखा जा रहा है।इस बीच, महाद्वीपों के पार 110 सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे ज्यादा। सिर्फ एशिया में ही 21 युद्ध सक्रिय हैं, भारत और पाकिस्तान की पुरानी वैर–दृष्टि, भारत और चीन की जमी हुई सीमाएँ, पाकिस्तान और अफगानिस्तान का नया तनाव।

ये दूर की जंगें नहीं हैं, यह पड़ोसियों के बीच की लड़ाइयाँ हैं, नदियों, सीमाओं, गर्व और स्मृति के नाम पर।

1990 के दशक का जो ष्शांति लाभांशष था, वह अब पूरी तरह उड़ चुका है। युद्ध फिर लौट आया है भाषा बनकर, नीति बनकर, विचारधारा बनकर। यहाँ तक कि यूरोप, जिसने दावा किया था कि उसने अपने युद्धों को बीसवीं सदी के मलबे के नीचे दफना दिया है, अब फिर लहूलुहान है। रूस का यूक्रेन पर आक्रमण उस भ्रम को तोड़ चुका है कि ष्युद्ध अब इतिहास हैं।ष और पश्चिम एशिया तो मानो हमेशा जलता रहता है कृ गाजा, लेबनान, ईरान, यमन कृ एक संघर्ष पर दूसरा संघर्ष, जब तक विनाश सामान्य नहीं लगने लगता।

हर मोर्चा दूसरे को ईंधन देता है। हर युद्धविराम एक जैसा लगता है, अंत नहीं।और इस अराजकता के बीच मंच पर आते हैं वे पुरुष कृ डोनाल्ड ट्रंप, नरेंद्र मोदी, बेंजामिन नेतन्याहू, व्लादिमीर पुतिन, रेचेप तैयप एर्दोगन कृ और उनके जैसे बाकी सब। हर कोई अपने–अपने तूफान का उत्पाद है, पर मिलकर वे शक्ति का एक पैटर्न रचते हैं। वे व्यवस्था को शांत करने नहीं, नियंत्रित करने आते हैं। संस्थाएँ पुनर्निर्मित करने नहीं, उन्हें अपने प्रतिबिंब में ढालने। वे सब एक ही कोरियोग्राफी में चलते हैं, यह भ्रम कि अव्यवस्था को करिश्मे से संचालित किया जा सकता है, कि कानून लोचदार है, और व्यवस्था उसी की है जो उसे फिर से परिभाषित करने का साहस रखता है। उनका उभार राष्ट्रों की ताकत नहीं, नागरिकों की थकान का प्रमाण है, ऐसी जनता की, जो अस्थिरता से इतनी थक चुकी है कि वर्चस्व को ही नियति मान बैठी है। हमारे समय की त्रासदी यही है, पुराने नियम अब लागू नहीं, और कोई उनके लौटने को लेकर ठ्ठशह्यह्त्लड्डद्यद्बद्दद्बष् भी नहीं। 1945 के बाद जो व्यवस्था नैतिक पुनर्निर्माण के आधार पर बनी थी, उसका भार अब खत्म हो चुका है। हम अब ऐसी दुनिया में रहते हैं जहाँ नैतिक ज्यामिति नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म का हिसाब चलता है। जहाँ आक्रोश भी प्रतिस्पर्धा है, और स्मृति हर न्यूज साइकिल के साथ रीसेट हो जाती है।

बीसवीं सदी में दानव थे, लेकिन अपराधबोध भी था। इक्कीसवीं सदी ने तमाशे को पूर्णता दी है। और फिर भी, इतिहास घूमकर वहीं आ गया है। जिस सदी को डिजिटल और लोकतांत्रिक होना था, वह अब मध्यकालीन लगती है, असमानताओं में सामंती, राजनीति में सांप्रदायिक, और नेतृत्व में निरंकुश। दुनिया का नक्शा प्रगति से ज्यादा पतन जैसा दिखता है, सीमाएँ कठोर, पड़ोसी शत्रु, और राष्ट्र धर्म, पहचान, और भय को हथियार बनाते हुए।इतिहास बताता है कि लगभग हर बड़ा युद्ध पड़ोसियों के बीच लड़ा गया। हम फिर उसी खतरनाक नजदीकी में पहुँच चुके हैं।

ओवैसी की मोदी-मुहम्मद तुलना

शंकर शरण

ओवैसी ने अभी 6 अक्तूबर को बहादुरगंज की एक सभा में पूछारू अगर हम श्आई लव मुहम्मदश्य का पोस्टर लेकर चलें तो उसमें अवैध क्या है? इस का उत्तर है कि तसलीमा का कथन जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा का पोस्टर लेकर चलना भी उतना ही वैध है। यानी, मुहम्मद की आलोचना उतना ही वैध है जितना मुहम्मद से मुहब्बत करना। दोनों अधिकार समान धरातल पर हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू।ज्जैसा तसलीमा ने कहारू कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं कृ न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।ज

गत 2 अक्तूबर को हैदराबाद में एम.आई.एम. नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहारू इस देश में श्आई लव मोदीश्य तो बोल सकते हैं, लेकिन श्आई लव मुहम्मदश्य नहीं बोल सकते। आप इस देश को कहाँ ले जा रहे हैं? यदि कोई कहे श्आई लव मोदीश्य तो मीडिया वाले भी खुश हो जाएंगे। मगर कोई श्आई लव मुहम्मदश्य बोले तो कहेंगे यह ठीक नहीं है।

निस्संदेह, प्रत्येक व्यक्ति को मोदी ही नहीं बल्कि मुहम्मद से भी मुहब्बत जताने की आजादी है। इसमें विवाद नहीं। पर यह तुलना गलत है। श्मुहम्मद से मुहब्बतश्य की उचित तुलना मोदी नहीं, बल्कि तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी होते। क्या सब को तसलीमा नसरीन से भी वही मुहब्बत दर्शाने, श्आई लव तसलीमाश्य के पोस्टर लगाने की आजादी होनी चाहिए या नहीं? विशेषकर मुसलमानों को?

इस्लामी मूल ग्रंथों के अध्ययन करके, मुहम्मद के जीवन और कार्य के अनेक उदाहरण देकर अपने मार्मिक निबंध शबिकॉज ऑफ रिलीजनश्य (2003) में तसलीमा इस निष्कर्ष पर पहुँचींरू मुहम्मद ने कुरान अपने स्वार्थ के लिए, अपनी सुविधा के लिए, अपने सुख के लिए लिखी थी। सो, इस्लाम का इतिहास जान कर वह उस से उदासीन हो गईं।

इसलिए सही तुलना यह होतीरू कि जैसे मोदी या मुहम्मद से प्रेम करने का अधिकार सभी भारतवासियों को है, वैसे ही मोदी और मुहम्मद की आलोचना करने का भी सब को अधिकार है। जैसा तसलीमा ने कहारू कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं कृ न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।

अतरू जब तक हर भारतवासी यह बात रखने के अधिकार को भी स्वीकार नहीं करे, तब तक केवल मोदी या मुहम्मद पर केंद्रित रहना एकतरफा शिकायत होगी। ऐसा अधिकार कोई नहीं रख सकता जिस से वह दूसरों को वंचित करना चाहे। यदि ओवैसी किसी व्यक्ति या विचार से प्रेम रखने का अधिकार माँगते हैं, तो उन्हें समान रूप से स्वीकार करना होगा कि दूसरों को उसी व्यक्ति या विचार को नापसंद करने का भी अधिकार है। अन्यथा वह अपनी पसंद दूसरों पर थोपना हो जाएगा। चाहे वह मोदी हों या मुहम्मद।

अभिव्यक्ति स्वतंत्रता एकतरफा नहीं हो सकती। वह भी एक ही विषय पर। जैसे, अभी श्आई लव मुहम्मदश्य विषय है। यहाँ श्आई डोन्ट लव मुहम्मदश्य भी कहने का वही खुला अधिकार होना चाहिए। मोदी या मुहम्मद, उन के बारे में केवल मीठी बातें कहने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। महान लेखक जॉर्ज ऑरवेल की उक्ति प्रसिद्ध हैरू यदि स्वतंत्रता का कोई अर्थ है तो यही है कि लोगों को वह बात कहने का अधिकार हो जिसे वे सुनना नहीं चाहते। यानी, असुविधाजनक सत्य।

यही उक्ति श्आई लव मुहम्मदश्य को सही परिप्रेक्ष्य में रखती है। इस का सर्वाधिक उपयुक्त आधार मुहम्मद की प्रमाणिक जीवनी, सीरा है। (इब्न इशाक का श्सीरते रसूल अल्लाहश्य, अंग्रेजी अनु. श्द लाइफ ऑफ मुहम्मदश्य)। यह सर्व–प्रमाणिक ग्रंथ मुहम्मद के कथनों और कार्यों के विवरणों से भरा है। उसे पढ़कर असंख्य पाठक मुहम्मद के अनेक विचारों और कार्यों को प्रेम करने योग्य नहीं पा सकते। तसलीमा केवल उदाहरण हैं।

उस के अलावा भी अनेक महत्वपूर्ण प्रश्न है कृ विशेषकर गैर–मुसलमानों (काफिरों) के प्रति मुहम्मद के राजनीतिक निर्देश। जो न्यायोचित मूल्यांकन की माँग करते हैं। इसलिए भी, क्योंकि विश्वभर में असंख्य मुस्लिम नेता, जहाँ भी उन्हें शक्ति या अवसर मिलता है, उन्हीं निर्देशों को लागू करने का प्रयास करते हैं। इसके अनेक उदाहरण भारत समेत दुनिया भर में हैं, जहाँ गैर–मुस्लिमों को उन निर्देशों की पीड़ा झेलनी पड़ती है। कश्मीरी पंडित और बंगाली हिन्दू तो वर्तमान उदाहरण हैं। पर मुहम्मद के उन निर्देशों के परीक्षण, मूल्यांकन को अधिकांश नेता दबाने की प्रवृत्ति रखते है।

जैसे अभी ओवैसी कर रहे हैं, वे मुहम्मद से मुहब्बत की वैधता पर बल देते हैं, परंतु उन की आलोचना की उसी वैधता से इनकार करते हैं। यही असली समस्या है। इसे किसी समुदाय का श्फेथश्य बताकर सुलझाया नहीं जा सकता। क्योंकि ठीक उलटे फेथ और समुदाय भी हैं। बुतशिकनी ही नहीं, बुतपरस्ती भी फेथ है। तब कैसे फैसला होगा?

इसलिए मानवता की दो आचार–संहिता नहीं हो सकती, जैसे एक मानव शरीर में दो हृदय नहीं रह सकते। मानवता का भाग होने के नाते मुसलमानों को वह स्वर्णिम नियम मानना होगा जो सभी मनुष्यों पर लागू हैरू दूसरों के साथ वैसा ही करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें।

इसलिए, एक ओवैसी को भी सहजता से उस स्वर्णिम नियम का पालन करना चाहिए जैसा तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी करते हैं। किंतु राजनीतिक, कानूनी और नैतिक विषयों की एक पूरी श्रृंखला है, जिस पर अधिकांश मुस्लिम नेता विशेषाधिकार का अंदाज रखते हैं। वे अपने लिए ऊँचा और दूसरे के लिए नीचा व्यवहार रखते हैं कृ कानून ही नहीं, मानवीय नैतिकता से भी ऊपर। वे अन्य धर्मों और धर्म समुदायों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। उन्हें श्कुफ्रश्य और उनके अनुयायियों को श्काफिरश्य कह कर। पूरी इस्लामी शब्दावली में इससे अधिक घृणित शब्द दूसरा नहीं! यह दिखाने के लिए अकेले कुरान ही काफी है। पर काफिरों को इस्लाम की आलोचना करने देने की स्वतंत्रता से अधिकांश मुस्लिम नेता इनकार करते हैं। कानूनी ही नहीं, नैतिक आधार पर भी!

यही सारी दुनिया में इस्लाम की मूल समस्या है। ओवैसी की एकतरफा शिकायत उसी का ताजा नमूना है। वे अपनी आजादी चाहते हैं, पर तसलीमा की छीनना चाहते हैं। तसलीमा या रुश्दी जैसे मुसलमानों की जान पर भी हमले होते हैं। क्योंकि वे मुहम्मद के बारे में असुविधाजनक लगने वाले तथ्य सामने लाते हैं। यह दो मापदंड एक मानव समाज कब तक झेल पाएगा? मुस्लिम नेताओं को इस प्रश्न का सामना करना बाकी है।

इसीलिए, श्मुहम्मद से मुहब्बतश्य के सामने श्मोदी से मुहब्बतश्य रखना गलत और भ्रामक है। वास्तविक तुलना श्मुहम्मद से मुहब्बतश्य और श्रुश्दी से मुहब्बतश्य की होनी चाहिए। दोनों मनुष्य हैं। चाहे, ऐतिहासिक ही सही।

वस्तुतरू मुहम्मद के ही सन्दर्भ में रुश्दी भी एक ऐतिहासिक हस्ती बन चुके हैं। उन्होंने कुरान की श्शैतानी आयतोंश्य के असुविधाजनक प्रश्न को केंद्र में ला दिया। जो इस्लाम में शुरू से मौजूद रहा है। रुश्दी द्वारा दिए गये तथ्य मूल इस्लामी स्रोतों से ही लिए गये हैं। रुश्दी ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में इस्लाम का भी विशेष अध्ययन किया था।

वास्तव में, रुश्दी के विरुद्ध खुमैनी के फतवे ने उस प्रश्न को हजार गुना अधिक प्रचारित कर दिया जिसे रुश्दी ने परोक्ष रूप से उठाया था। परंतु वह फतवा, और हालिया हमला जिसमें रुश्दी अपंग हो गए, उस प्रश्न को खत्म न कर सका! ईमामों, अयातुल्लाओं और मुस्लिम नेताओं, संगठनों, तंजीमों की पूरी फौज भी रुश्दी द्वारा उठाए गए उस एक मासूम सवाल का जवाब नहीं दे सकी, जो मुहम्मद के बारे में की गई थी।

वह प्रश्न यह थारू यदि मुहम्मद ने खुद ही कहा कि कुछ आयतें अल्लाह की नहीं, बल्कि शैतान की प्रेरणा से उनके मुँह से निकली थीं, इसलिए वे कुरान से हटा दी गईं कृ तो क्या गारंटी है कि ऐसा कुछ अन्य आयतों के साथ भी नहीं हुआ होगा? यह रुश्दी ने रूपक में पूछा था, बिना इस्लामी ग्रंथों के असली पात्रों का नाम लिए। किन्तु पैंतीस साल पहले इतना भी मुस्लिम नेताओं को मंजूर न था!

आज तो अनगिनत मुस्लिम लेखक कृ तसलीमा, वफा सुल्तान, अय्यान सिरसी अली, आदि कृ मुहम्मद पर और भी सीधे प्रश्न उठा रहे हैं। किंतु नाराजगी, धमकी और हिंसा के अलावा मुस्लिम नेताओं के पास कोई जवाब नहीं। यह स्थिति अधिक दिन नहीं रह सकती। ओवैसी जैसे बौद्धिक नेताओं को इसे न्यायसंगत रूप से देखना होगा। चुनी हुई नाराजगी और शिकायत अब काम नहीं करेंगी। शिकायत और नाराजगी दूसरों को भी है।

वास्तव में, वैसे प्रश्न नए भी नहीं, जो रुशदी या तसलीमा ने उठाए हैं। बहुत से मक्कावासियों ने वही सवाल मुहम्मद से भी पूछे थे। वे उत्तर नहीं दे सके और केवल तलवार से सभी सवालों का निपटारा किया। यह सब उन की जीवनी में विस्तार से लिखा मिलता है।

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन आपके लिए कई शुभ संकेत लेकर आया है। लंबे समय से चल रही कोई निजी समस्या अब किसी आत्मीय मित्र से बातचीत के बाद हल्की हो सकती है, जिससे आपको मानसिक सुकून मिलेगा। आज कोई पुराना साथी आपके घर दस्तक दे सकता है

वृषभ

आज का दिन संतुलन और पारिवारिक सुख–संतोष से भरा रहेगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग ट्रेनिंग में अपना सौ प्रतिशत देने का प्रयास करेंगे और मेहनत रंग भी लाएगी। कोरियर या लॉजिस्टिक से जुड़े कारोबारी आज लाभ की स्थिति में रहेंगे।

मिथुन

आज आपके जीवन में कुछ खास बदलाव दस्तक दे सकते हैं, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगे। परिवार में आपके कामों की सराहना होगी और आपकी कार्यकुशलता की चर्चा हो सकती है।

कर्क

आज का दिन पारिवारिक दृष्टि से सकारात्मक रहेगा। घर में आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी। महिलाओं के लिए दिन विशेष रूप से फलदायी है, उन्हें किसी नए अवसर की प्राप्ति हो सकती है।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन योजनाओं के क्रियान्वयन का है। व्यवसाय को विस्तार देने के लिए आप कोई नई रणनीति बना सकते हैं, जो आने वाले समय में सफलता का मार्ग खोलेगी।

कन्या

आज का दिन भक्ति और सेवा भाव से शुरुआत करने का है। किसी गरीब की मदद करने से आपके दिन की ऊर्जा सकारात्मक बनी रहेगी। घर में कोई धार्मिक आयोजन हो सकता है, जिससे पारिवारिक संबंधों में मजबूती आएगी। व्यवसाय में विदेशी यात्राओं के योग हैं।

तुला

आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और प्रेम में नई ऊर्जा का संचार होगा। व्यापारियों के लिए दिन अधिक लाभ वाला रहेगा और कोई नया प्रोजेक्ट भी मिल सकता है।

वृश्चिक

आज आपकी शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होंगी और आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे। किसी धार्मिक या पारिवारिक आयोजन में भाग लेने से मन प्रसन्न रहेगा। दोस्तों की मदद से आर्थिक संकट से राहत मिल सकती है।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन धार्मिकता और पारिवारिक मेलजोल से भरपूर रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थल की यात्रा हो सकती है, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। नया व्यापार शुरू करने के लिए दिन शुभ है।

मकर

आज आपको अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है, लेकिन इसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलेगा। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं, जिनका आप सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

कुंभ

कुंभ राशि के लिए आज का दिन नई शुरुआत और संभावनाओं से भरपूर है। ऑफिस में कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है, जो आपकी जिम्मेदारियों को बढ़ा सकता है। धन लाभ के योग हैं,

मीन

आज आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। परिवार में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा और आपके कार्यों की सराहना होगी। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई में रूचि बढ़ेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर समय है।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस-2025 पर इस वर्ष की थीम

हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

मेरठ(आरएनएस)।आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालयध्संस्थान में ''स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साईंसेज'' की ओर से विश्व खाद्य दिवस–2025 पर ''हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आये एक दर्जन से अधिक कृषि वैज्ञानिक ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विश्व के पहले पांच कृषि वैज्ञानिकों मं शुमार ''इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च संस्थान'' पूसा के प्रधान वैज्ञानिक प्रो0 (डॉ0) रमेश कुमार यादव ने कहा हमारी सेहत सीधे तौर पर ''मिट्टी की सेहत'' से जुड़ी है। आज अंधाधुंध रसायनों एवं कृत्रिम खाद के बेतहाशा प्रयोग से यदि हम तेजी से ''बंजर'' होती भूमि को बचाने के साथ–साथ खाद्य पदार्थो में बढ़ते रसायनों एवं कीटनाशकों से होने वाली कैंसर, अल्सर समेत सैकड़ों बिमारियों से अपने आप को बचाना चाहते है तो हमे फिर से ''जैविक खेती'' की ओर लौटना होगा।

मोटे अनाज एवं रसायनविहीन खाद्य पदार्थो को अपनी ''डाईट'' में शुमार करना होगा। फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए कृत्रिम रासायनिक खादों के बजाय, गोबर, गोमूत्र, गुड़, सूखे पत्तों को खाद के तौर पर उपयोग में लाना होगा। इस अवसर पर एग्रीकल्चर के छात्र–छात्राओ ने ''हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर'' के विभिन्न स्टाल लगाकर जैविक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि ने संस्थान प्रबंधन के साथ मिलकर विजेता छात्र–छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालयध्संस्थान के सरदार पटेल सभागार में ''स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर'' की ओर से ''विश्व खाद्य दिवस पर आयोजित खाद्य सुरक्षा के लिए

''हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, मुख्य अतिथि डॉ0 रमेश कुमार यादव, कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, डीन एग्रीकल्चर डॉ0 टी0पी0 सिंह, प्रभारी डीन प्रो0 थॉमस एब्राहिम आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 पीयूष पांडे, डीन एग्रीकल्चर डॉ0 टी0पी0 सिंह, डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 योगेश्वर, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 दर्पण कौशिक, डॉ0 माता प्रसाद, डॉ0 लक्ष्मीकान्त, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 विनय कुमार सिंह, डॉ0 शेषनाथ सिंह, डॉ0 वरूण त्रिपाठी डॉ0 आशिया वाहिद, डॉ0 कौशल कुमार, उदित तिवारी एवं मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह, विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शानदार संचालन डॉ0 ज्योति सिंह ने किया।

सुभारती विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज

मेरठ(आरएनएस)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में गुरुवार को विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बुद्ध मेले के समापन समारोह से लेकर एनिमेशन फेस्ट, अतिथि व्याख्यान और कार्यशालाएं शामिल रहीं। इन आयोजनों में छात्रों, शिक्षकों और गणमान्य अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बुद्ध मेले में पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक संध्या

संघमाता डॉ. मुक्ति ग्लोबल बुद्धिस्ट फाउंडेशन व सुभारती विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित बुद्ध मेले के छठे दिन खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और शामुक्ता बैंड ने अपनी धमाकेदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक व मेरठ के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी विनीत अग्रवाल शारदा रहे। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षा, सेवा, संस्कार और राष्ट्रीयता के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की।

उन्होंने सुभारती समूह के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण के सर्व–पंथ सद्भाव के विचार को आज के युग के लिए प्रासंगिक बताया और आयोजन समिति को शुभकामनाएं दीं। उन्मुक्त भारत संगठन द्वारा राष्ट्रीय चरित्र निर्माण कार्यशालाडॉ. अतुल कृष्ण के निर्देशन में उन्मुक्त भारत संगठन ने कालका पब्लिक स्कूल में श्राष्ट्रीय चरित्र निर्माणश विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें प्रधानाचार्य कुलदीप भारती, समस्त शिक्षकगण और 130 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के पांच सत्रों में विभिन्न वक्ताओं ने संबोधित किया, जिनमें परवेज बशीर (यातायात नियम), अनिल अज्ञात (व्यक्तित्व विकास), कमर पाल फौजी (मोबाइल की लत), ओम सिंह राणा (नेताजी का योगदान) और डॉ. डी.सी. सक्सेना (नैतिक मूल्य) शामिल थे। कार्यक्रम का संयोजन उमेश त्यागी और संचालन आर्यन शर्मा ने किया।

एनिमेशन फेस्ट 2025 में रचनात्मकता का उत्सव

विश्वविद्यालय के एनिमेशन विभाग ने श्सुभारती एनिमेशन फेस्ट 2025श का भव्य आयोजन किया। इसका उद्घाटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. (डॉ.) शल्या राज, महानिदेशक मेजर जनरल (डॉ.) जी.के. थपलियाल, प्राचार्य प्रो. (डॉ.) पिंटू मिश्रा, विभागाध्यक्ष डॉ. विधि खंडेलवाल व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर वार्षिक कैटलॉग ष्एक्सुबेरेंस 2025ष का विमोचन हुआ और छात्रों ने नृत्य व कॉस्प्ले जैसी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में डॉ. सरताज अहमद, श्री विवेक तिवारी, श्री आकाश भटनागर, श्री अंकित चौधरी और श्री अर्पित यादव बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में सुश्री तमन्ना और श्री लक्ष्य खन्ना का विशेष योगदान रहा।

नहर सफाई के दौरान अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

मेरठ ।(आरएनएस) वार्षिक नहरबंदी कार्यक्रम में रजवाहों व माइनरों की सिल्ट सफाई के बीच सिंचाई विभाग ने अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान चलाया। अभियान में रजवाहों पर अवैध पुलिया व अतिक्रमण को बुलडोजर से हटाते हुए कार्रवाई की गई। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता विकास त्यागी ने बताया कि दो अक्टूबर की रात हरिद्वार से गंगनहर में जलापूर्ति बंद कर दी गई थी।वार्षिक नहरबंदी में दीपावली तक सभी रजवाहों व माइनरों की सिल्ट सफाई की जा रही है। सफाई के चलते रजवाहों पर अवैध पुलियों व अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। बुधवार व गुरुवार को रजवाहा लोवर दौराला से अम्हेड़ा होते हुए अब्दुल्लापुर टेल तक बुलडोजर के साथ अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि अम्हेड़ा में पांच स्थानों पर रजवाहे में पाइप डालकर पुलिया बना दी गई थी। जिससे अनाधिकृत कालोनियों को रास्ता दिया गया।

इन्हीं पर बुलडोजर से पाइप उखाड़कर कार्रवाई की गई। रजवाहे से सभी पाइप बाहर निकालते हुए रजवाहे को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। हालांकि, सिंचाई विभाग की कार्रवाई का विरोध भी हुआ, लेकिन कार्रवाई जारी रही। एसडीओ सौरभ चौहान, अवर अभियंता हरीश चंद, रवि शर्मा, राहुल शर्मा, सचिन पाल, सींचपाल राजीव कुमार व अन्य मौजूद रहे।

रजवाहों व माइनरों में सिल्ट सफाई जारीसिंचाई विभाग ने वार्षिक नहरबंदी के अंतर्गत गंगनहर से जुड़े रजवाहों व माइनरों की सिल्ट सफाई शुरू कर दी है। यह दीपावली तक जारी रहेगी। अधिशासी अभियंता विकास त्यागी ने बताया कि मेरठ, मुजफ्फरनगर व बुलंदशहर तीनों खंडों में कुल 680 किमी में रजवाहे व माइनर (अल्पिकाएं) साफ की जाएंगी।

इसमें रजवाहों व माइनरों की लंबाई क्रमशरू 400 व 280 किमी है। इसके लिए शासन ने 3.28 करोड़ की धनराशि स्वीकृति की है। वार्षिक नहरबंदी का उद्देश्य सभी रजवाहों व माइनरों की हेड व टेल (शुरूआती व अंतिम छोर) तक सिंचाई के लिए जल पहुंचाना है, जिससे किसानों को निर्बाध सिंचाई करने में आसानी हो। अधिशासी अभियंता ने कहा कि अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान जारी रहेगा।

सांड़ ने किसान को पटककर मार डाला, बचाने आए युवक का हाथ और उसकी पत्नी का पैर तोड़ा

मेरठ(आरएनएस)। परतापुर के बराल गांव में बुधवार दोपहर खेत में चारा काट रहे किसान दलवीर सिंह (55) को सांड़ ने हमला कर पटक–पटक का मार डाला। उसे बचाने आए महरौली गांव निवासी शमशाद और उसकी पत्नी तस्लीम को भी सांड़ ने हमला कर गंभीर घायल कर दिया। जानकारी पर काफी ग्रामीण लाठी डंडे लेकर सांड़ के पीछे दौड़े। इसके बाद सांड़ खेतों के रास्ते भाग गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने सांड़ को पकड़ने के लिए नगर निगम को सूचना दे दी है।परतापुर थाना क्षेत्र के गांव बराल निवासी दलवीर सिंह बुधवार दोपहर को अपनी पत्नी राजेंद्री के साथ खेत पर चारा लेने गए थे। जब वह चारा काट रहे थे, तभी एक सांड़ दहाड़े मारते हुए दलवीर के ऊपर झपट पड़ा। सांड़ ने किसान दलवीर सिंह को पटक–पटक कर गंभीर रूप से लहूलुहान कर दिया।

पत्नी राजेंद्री ने पति को बचाने के लिए शोर मचाया तो पास के खेत में चारा काट रहे महरौली निवासी शमशाद व उसकी पत्नी तस्लीम पहुंचे और डंडा लेकर सांड़ को भगाने का प्रयास किया। इसके बाद सांड़ तस्लीम के ऊपर झपट पड़ा। सांड़ ने टक्कर मारकर तस्लीम का पैर तोड़ दिया। पति तस्लीम को बचाने आया तो उसे भी टक्कर मार दी। इससे शमशाद का हाथ टूट गया। रजबहे की पटरी से जा रहे कुछ बाइक सवारों ने घटना को देखकर परतापुर के ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद दर्जनों ग्रामीण लाठी डंडे लेकर मौके पर आए और सांड़ के पीछे दौड़ पड़े तो सांड़ खेतों के रास्ते भाग गया। ग्रामीणों और परिजनों ने सांड़ के हमले में गंभीर रूप से घायल किसान दलवीर सिंह और शमशाद व उसकी पत्नी तस्लीम को एनएच–58 स्थित सुभारती अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उपचार के दौरान दलवीर की मौत हो गई। सूचना पर परतापुर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने बताया कि सांड़ को पकड़ने के लिए नगर निगम को सूचना दे दी गई है। दिवाली से पहले सांड़ ने छीन लीं परिवार की खुशियांसांड़ के हमले में किसान दलवीर सिंह की मौत होने की जानकारी मिलने पर परतापुर और महरौली के ग्रामीण उनके घर सांत्वना देने पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में लावारिस पशुओं का आतंक बना हुआ है। दो सप्ताह पहले भी सांड़ ने टक्कर मारकर भूड़बराल निवासी एक युवक को घायल कर दिया था। पड़ोसी सूरज ने बताया कि दलवीर सिंह के एक बेटी रजनी, बेटा राजू और मोनू है। दलवीर की मौत पर परिजनों को रोकर बुरा हाल था। इस हादसे ने परिवार की दिवाली से पहले खुशियां छीन लीं। सांड़ के हमले में दलवीर सिंह की मौत के बाद ग्रामीणों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने कहा कि आए दिन सांड़ खेतों में फसलों का नुकसान करते हैं। भगाने पर लोगों पर हमला कर देते हैं। कई बार परतापुर स्थित कान्हा उपवन गोशाला में सांड़ और लावारिस घूम रहे पशुओं को पकड़ने के लिए शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।ये बोले नगरायुक्त

इस संबंध में नगरायुक्त सौरभ गंगवार का कहना है कि कि सांड़ और अन्य पशुओं की पकड़ने के लिए टीम भेजी जाएगी।

श्री बांके बिहारी मंदिर में मवाना के पाल सिंह की मौत, परिजन बोले- सांस के रोगी थे

मेरठ ।(आरएनएस) मवाना के निलोहा गांव के रहने वाले कृपाल सिंह (55) की मौत श्रीबांकेबिहारी मंदिर की चौखट पर लिखी थी। वृंदावन आने के बाद उनके साथ आए लोगों ने उन्हें ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर जाने के लिए मना किया था। उनसे कहा था कि वे सांस के रोगी हैं, ऐसे में वहां न जाएं, वहां भीड़ होती है। कई बार हादसे हो चुके हैं लेकिन उन्होंने किसी की नहीं सुनी।दल के साथ आए संत अविनाश चौधरी ने बताया कि यात्रा में भक्तों ने कहा कि उन्हें ठाकुर श्रीबांकेबिहारीजी के दर्शन करने हैं। उन्होंने सभी को समझाया कि वहां रहने दो, वहां बहुत भीड़ होती है। भीड़ में हादसे भी हो जाते हैं। लेकिन कृपाल सिंह और अन्य लोगों ने कह दिया कि यहां तक आए और ठाकुरजी के दर्शन न हो पाए तो क्या आना। एक बार दर्शन तो जरूर करेंगे। सभी लोग तैयार हो गए और फिर दर्शन करने चले गए। वहां यह गंभीर हादसा हो गया।सांस के रोगी थे कृपाल सिंह

कृपाल सिंह के साथ आए उनके छोटे भाई ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि कृपाल सिंह सांस की बीमारी से पीड़ित थे। उनको हाई बीपी की भी समस्या थी। वृंदावन आते समय भी उनसे मना किया था लेकिन वह तैयार हो गए। मंदिर में उनकी तबीयत बिगड़ गई और हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई। मौत स्वाभाविक है और प्रभु के चरणों में हुई है। चार भाइयों में सबसे छोटे थे कृपाल गांव निलौहा के पूर्व प्रधान भीम सिंह ने बताया कि गांव से काफी लोगों का ग्रुप तीर्थस्थल के भ्रमण और दर्शन के लिए गया था। उन्हीं के साथ कृपाल सिंह भी गया था। कृपाल सिंह अविवाहित था और चार भाइयों में सबसे छोटा था। वह खेत ठेके पर लेकर खेती और मजदूरी करता था। ये है मामला मवाना के निलोहा से 50 लोग वृंदावन में मंदिरों के दर्शन के लिए आए थे। इनमें कृपाल (55) पुत्र शेर सिंह अपने छोट भाई ओमप्रकाश और भतीजे टीटू के साथ आए थे। भतीजे टीटू ने बताया कि शाम को सभी लोग ठाकुर श्री बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर में दर्शन के लिए जैसे ही सभी लोग अंदर घुसे तो भीड़ के बीच चाचा ओमप्रकाश की तबीयत बिगड़ने लगी। दर्शन के बाद वह जैसे ही गेट नंबर चार पर पहुंचे तभी वह अचेत होकर गिर गए। एंबुलेंस से उन्हें जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने प्रथमदृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है।

सेंट्रल मार्केट प्रकरण में आवास विकास के 45 अफसरों और 22 व्यापारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मेरठ। शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट प्रकरण में आवास विकास के 45 अफसरों और 22 व्यापारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन पर सरकारी आदेश न मानने और सरकारी कार्य में बाधा का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट ने 17 दिसंबर 2024 को सेंट्रल मार्केट के आवासीय भूखंड संख्या 661ध्6 पर बने व्यवसायिक कांप्लेक्स को तीन महीने के भीतर खाली कराने तथा उसके बाद आवास विकास अधिकारियों को दो सप्ताह के भीतर इसे ध्वस्त करने का आदेश दिया था। इस कांप्लेक्स में कुल 22 व्यापारी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे प्रदेश में आवासीय भूखंडों पर व्यवसायिक भवनों पर भी यही समान कार्रवाई करने का आदेश दिया था। शास्त्रीनगर कालोनी में आवास विकास ने आवासीय भूखंडों पर बने 1482 व्यवसायिक भवनों (दुकानों) को चिह्नित कर रखा है। शासन के आदेश पर आवास विकास के 49 अफसर चिन्हित किए गए, जिनके कार्यकाल में व्यवसायिक भवनों का निर्माण हुआ था। उनमें से चार की मौत हो चुकी है। इसलिए 45 अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही दूसरे मुकदमे में 22 व्यापारियों पर आवास विकास की अवमानना का मुकदमा दर्ज किया है।

55 मुकदमों वाले हिस्ट्रीशीटर की हत्या, रजबहे में पड़ी मिली लाश, आठ पर केस दर्ज

मेरठ(आरएनएस)। मुंडाली थाना क्षेत्र के गांव जिसौरा से दस दिनों से लापता हिस्ट्रीशीटर सरताज अली (46) का शव हापुड़ जनपद के सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव शरीफपुर के जंगल में रजबहे में मिला है। सरताज के भाई वकील ने बुधवार शाम को मुंडाली थाने पर गांव के ही आठ लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया। आरोप लगाया कि घर से बुलाकर आरोपियों ने उसकी हत्या करके शव रजबहे में फेंक दिया।वकील ने बताया कि मुंडाली थाना क्षेत्र के गांव जिसौरा निवासी सरताज पांच अक्तूबर की शाम कुछ देर में लौटने की बात कहकर घर से गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर पत्नी फरजाना ने सरताज को फोन किया तो थोड़ी देर में पहुंचने की बात कही थी। मगर वह लौट कर नहीं आया।

लापता होने के तीन दिन बाद परिजनों ने मुंडाली थाने पर तहरीर दी। मगर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज नहीं की। परिजनों ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र दिया। तब पुलिस ने उसकी गुमशुदगी दर्ज की थी। मंगलवार को ही परिजन डीआईजी कलानिधि नैथानी से भी मिले थे। मंगलवार को ही सरताज का शव हापुड़ जनपद में रजबहे में मिला।

बुधवार सुबह परिजनों ने हापुड़ जाकर उसकी पहचान की। देर शाम शव को गांव लाकर दफनाया गया। इसके बाद मृतक के भाई वकील ने मुंडाली थाने पर हत्या की नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई। 55 से अधिक केस थे दर्जथानाध्यक्ष के अनुसार, सरताज मुंडाली थाने का हिस्ट्रीशीटर बदमाश था। उस पर विभिन्न अपराधों में 55 से ज्यादा अधिक मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं। वर्तमान में वह गांव में रहकर खेतीबाड़ी करता था और प्रॉपर्टी डीलर का काम भी करता था। उसके छह बच्चे हैं। इनमें चार बेटे और दो बेटियां हैं। भाइयों में सरताज पांचवें नंबर का था।एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई है। हापुड़ जिले से पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

24 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी जिला सैनिक बन्धु की मासिक बैठक

मेरठ ।(आरएनएस) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी मेरठ कैप्टन(आई0एन) राकेश शुक्ला(अ0प्रा0) ने बताया कि पूर्व सैनिकों एवं शहीद व दिवंगत सैनिकों की पत्नियों तथा उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण हेतु जिला सैनिक बन्धु की अक्टूबर 2025 की मासिक बैठक जिलाधिकारी, महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को (दिन मंगलवार सांय 05.00 बजे) कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जायेगी।उन्होने जिला सैनिक परिषद कार्यकारिणी मेरठ व जिला सैनिक बन्धु मेरठ के पदेन व गैर सरकारी सदस्यों से उक्त बैठक में भाग लेने का अनुरोध किया है। उन्होने जनपद मेरठ के पूर्व सैनिकोंध्शहीद व दिवंगत सैनिकों की पत्नियों तथा उनके आश्रितों को सूचित करते हुये बताया कि अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु दिनॉक 18 अक्टूबर 2025 तक अपना प्रार्थना–पत्र कार्यालय की मेल पर या कार्यालय हस्तगत करा दे। उन्ही भूतपूर्व सैनिक को बैठक में प्रवेश दिया जायेगा, जिनकी अपनी व्यक्तिगत समस्या है। दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को कार्यालय में पब्लिक डिलिंग नही की जायेगी, केवल बैठक से सम्बन्धित प्रार्थना–पत्र पर ही विचार किया जायेगा। मेल आई डी–ेंउम–नच/दपब.पद है।

पूर्व विधायक जितेंद्र सतवाई ने कराया फर्जी मुकदमा, इंसाफ चाहिएश, भाकियू ने थाना घेरा, जबरदस्त हंगामा

मेरठ ।(आरएनएस) भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक जितेंद्र सतवाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। रोहटा थाने का घेराव कर किसान पर दर्ज फर्जी मुकदमा वापस लेने की मांग की। साथ ही पुलिस और विधायक के खिलाफ नारेबाजी की। बुधवार सुबह करीब पांच बजे दर्जनों किसान ट्रैक्टर–ट्रॉली में भरकर रोहटा थाने पहुंचे। थाने के गेट के सामने एकत्रित होकर उन्होंने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाकियू कार्यकर्ताओं का कहना है कि सिवालखास के पूर्व भाजपा विधायक जितेंद्र सतवाई ने अपने एक सीधे–सादे किसान पड़ोसी पर गलत तरीके से गोलीबारी का फर्जी मुकदमा दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि पूर्व विधायक ने पुलिस के साथ मिलकर यह कार्रवाई की है।आक्रोशित किसानों का कहना है कि जब तक पूर्व विधायक द्वारा दर्ज कराया गया फर्जी मुकदमा रद्द नहीं किया जाता, वे धरने पर डटे रहेंगे। उन्होंने पूर्व विधायक से उस गोलीबारी की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की है, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। किसानों का कहना है कि वे इस फर्जी मुकदमे को बर्दाश्त नहीं करेंगे और अपने साथी किसान के लिए न्याय की मांग करते हैं।किसानों के इस प्रदर्शन को देखते हुए सीओ सरधना सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस प्रशासन ने आक्रोशित किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। थाने के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

आशियाना कालोनी में दो फैक्ट्रियों में भीषण अग्निकांड, धमाके से फटे सिलेंडर, दो झुलसे

मेरठ(आरएनएस)। दीवाली से पहले लोहिया नगर थाना क्षेत्र स्थित आशियाना कॉलोनी में ब्रहस्पतिवार की सुबह भीषण अग्निकांड हुआ। कपड़ा प्रिंट करने वाली दो फैक्ट्रियों में आग ने जमकर तबाही मचाई। जिसमें दो कर्मचारी भी झुलस गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। आग में करोड़ों के नुकसान की बात कही जा रही है।जानकारी के मुताबिक किदवई नगर निवासी रियाज अंसारी और उसके भाई इकरामुद्दीन की आशियाना कॉलोनी गली नंबर चार में ए–3 क्रिएशन के नाम से कपड़ों पर प्रिंट करने की फैक्ट्री है। जिसमें ग्राउंड फ्लोर पर गोदाम, जबकि ऊपर के दो फ्लोर पर फैक्ट्री की मशीनें लगी हुई हैं। कपड़ों पर प्रिंट होने के बाद उन्हें सुखाने के लिए गैस सिलेंडर से चलाए जाने वाले हीटर लगाए गए हैं। बताया जाता है कि ब्रहस्पतिवार की सुबह 5रू00 बजे कर्मचारी हीटर से कपड़े सुखा रहे थे। इसी दौरान अचानक हीटर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिसके चलते क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इसी बीच फैक्ट्री में रखे गैस सिलेंडरों के धमाकों से इलाका दहल उठा। जिसके चलते अफरा–तफरी के हालात बन गए। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रहा ठेकेदार गोविंद और कर्मचारी अजहरुद्दीन भी झुलस गए। इसी दौरान आग ने सामने स्थित यामीन की पावरलूम फैक्ट्री को भी चपेट में ले लिया। जानकारी के बाद थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फैक्ट्री मालिकों के मुताबिक आग में करोड़ों के नुकसान की बात कही जा रही है। वहीं, झुलसे हुए कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मेरठ में दीपावली मेले के लिए कमेटी गठित

मेरठ (आरएनएस)रू अब जीआइसी मैदान के बजाए भैंसाली मैदान में नगर निगम दीपावली मेले का आयोजन करेगा। पार्किंग की व्यवस्था को देखते हुए नगर निगम ने स्थान का बदलाव किया है। भैंसाली मैदान पर दीपावली मेले का शुभारंभ 28 अक्टूबर को किया जाएगा। यह मेला चार नवंबर को समाप्त होगा। नगर निगम ने दीपावली मेले को आकर्षक बनाने की तैयारी की है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न प्रकार की झांकियों के दर्शन होंगे। स्वच्छ भारत मिशन सहित सरकार की तमाम योजनाओं के बारे में दीपावली मेले में जानकारी देने के लिए स्टाल लगाए जा सकेंगे।इनको दी गई जिम्म्मेदारी रेहड़ी पटरी वालों को दीपावली के मौके पर दीपक, मोमबत्ती समेत अन्य प्रकार की सामग्री बेचने के लिए दुकान लगाने को स्थान दिया जाएगा। मेले को बेहतर तरीके से कराने के लिए व्यवस्था देखने के लिए कमेटी का गठन नगर आयुक्त ने कर दिया है। कमेटी में अपर नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त प्रथम व सहायक नगर आयुक्त द्वितीय, मुख्य अभियंता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी, प्रकाश निरीक्षक, कर निर्धारण अधिकारियों को प्रमुख रूप से जिम्मेदारी दी गई है। शुक्रवार को भैंसाली मैदान पर दीपावली मेले के आयोजन की तैयारी के लिए निगम अधिकारियों ने निरीक्षण भी किया।

भगवत नाम जाप में है जीवन का सुमंगल-पं. माधवपति जी

लालगंज में श्रीमदभागवत कथा विश्राम दिवस पर भावपूर्ण प्रसंगों पर मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

लालगंज, प्रतापगढ़(आरएनएस)। नगर पंचायत के सांगीपुर वार्ड में शुक्रवार को हो रही श्रीमदभागवत कथा के विश्राम दिवस में लोकमंगल के लिए भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का सार सुनकर श्रद्धालु भावविभोर दिखे। कथाव्यास पं. माधवपति त्रिपाठी जी महराज ने कहा कि द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण जी ने अपनी विभिन्न लीलाओं में धर्म के पालन और सदाचरण के जीवन का मार्गदर्शन किया है। उन्होने कहा कि अधर्म के रास्ते पर चलना जीव के लिए सदैव दुखदायी रहा है। पं. माधवपति जी ने कहा कि भगवान के नाम का जाप ही जीवन का सुमंगल है। उन्होने कहा कि धर्म को मानना और उसका पालन करना सनातनी का सबसे बड़ा कर्तव्य है। कथाव्यास पं. माधवपति जी ने कहा कि धर्मानुरागी कभी भी किसी अन्य जीवन का अमंगल सोच भी नही सकता। उन्होने कहा कि स्वयं को दुख में रखते हुए भी दूसरों के अधिकार की रक्षा के लिए सजग रहना धर्म का मूल है। उन्होने कहा कि भगवान की कथा को सुनने के साथ साथ जीवन पथ पर इससे मिलने वाली सीख को भी अपनाना चाहिए। उन्होने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा में नैतिक जीवन जीने की हमें सीख मिला करती है। उन्होने कहा कि यह ग्रन्थ जीवन का उपदेशात्मक मार्गदर्शन है। कथा के दौरान हरे कृष्ण हरे राधे के सामूहिक संकीर्तन में श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध देखा गया। कथा के संयोजक पूर्व चिकित्साधीक्षक डा0 पुरूषोत्तम शुक्ल, जयकृष्ण शुक्ल, डा0 आशीष शुक्ल, दयावती शुक्ला, रीतू शुक्ला, प्रियंका शुक्ला, गरिमा शुक्ला ने व्यासपीठ का मंगलाभिषेक किया। संयोजन समिति की ओर से डा0 पुरूषोत्तम शुक्ल ने शिक्षा तथा साहित्य व समाज के क्षेत्र में योगदान के लिए गणमान्यजनों को द्वारिकाधीश का मोमेण्टो प्रदान कर सम्मानित भी किया। श्रद्धालुओं का स्वागत डा0 प्रतिमा एवं डा0 रमेशचंद्र पाण्डेय ने किया। डा0 संस्कृति ने आभार प्रदर्शन किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, दयाशंकर पाण्डेय, आचार्य शक्तिधरनाथ पाण्डेय, डॉ0 ज्ञानेन्द्र नाथ त्रिपाठी, डॉ0 पूर्णिमा मिश्रा, डॉ0 डीपी ओझा, केडी मिश्र, प्रो0 आरपी शुक्ला, डा0 आरएस त्रिपाठी, विशालमूर्ति मिश्र, गुरूवचन सिंह, ज्ञानप्रकाश शुक्ला, अनिल त्रिपाठी महेश, विकास मिश्र, सूर्य नारायण तिवारी, गिरीश मिश्र, दिवाकरनाथ शुक्ल, आचार्य विनोद मिश्र आदि रहे।

करिस्ता में खुलेगी सच्चा बाबा आश्रम की शाखा, बनेगा खाटू श्याम बाबा मंदिर

प्रतापगढ़(आरएनएस)। जिले के मकूनपुर के पास स्थित करिस्ता गांव के किसान अशोक कुमार मिश्र ने धर्म कार्य के लिए भूदान का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत कर सामाजिक क्षेत्र में प्रेरणा की अलख जगायी है। अशोक ने अपनी पांच बिस्वा जमीन धर्म कार्य के लिए दान किया है। अब सामूहिक सहयोग व संकल्प से इस जमीन पर खाटूश्याम बाबा व सच्चा बाबा का भव्य मंदिर, यज्ञशाला आदि के निर्माण की पहल हुई है। शुक्रवार को महंत मनोज ब्रम्हचारी की अगुवाई में भव्य भूमि पूजन हुआ। प्रतापगढ़ के लिए खास बात यह होगी कि खाटूश्याम बाबा का यह पहला मंदिर होगा। भूमिपूजन में वैदिक मंत्रोच्चार व जयकारों के बीच शामिल समाजसेवी पंकज मिश्र, प्रतिष्ठित व्यवसायी विष्णु खंडेलवाल, शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधक अनिल प्रताप त्रिपाठी प्रवात ने मंदिर को सुंदर स्वरूप देने में योगदान को लेकर संकल्प जताया है। वहीं भूमिपूजन को भव्यता प्रदान करते हुए दानदाता अशोक कुमार मिश्र व उनकी पत्नी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य पूजन किया। पूजन कार्यक्रम के दौरान आचार्य आलोक ऋषिवंश, रामकीर्ति शास्त्री, पं. आकाश द्विवेदी, ज्योतिषी विकास पांडेय व पं. अमित शुक्ल का मंत्रोच्चारण भी गूंजता दिखा।

मेरठ और सरधना में दीपावली मेले के लिए तैयारिया

मेरठ ।(आरएनएस) मेरठ के सरधना कस्बे में आगामी 28 अक्टूबर से सरधना–बिनौली रोड पर स्थित नवीन मंडी में दीपालवी मेले का आयोजन होगा। इसके लिए एसडीएम ने दो व्यापार मंडल व नपा के अफसरों से वार्ता कर रूपरेखा तय कर ली है। वहीं दूसरी ओर मेरठ में अब जीआइसी मैदान के बजाए भैंसाली मैदान में नगर निगम दीपावली मेले का आयोजन करेगा।हाल ही में सरधना व्यापार मंडल के अध्यक्ष पंकज जैन व राष्ट्रीय व्यापार संगठन के अध्यक्ष मंगू प्रधान सहित पदाधिकारी व समाजसेवी एसडीएम दीपक कुमार श्रीवास्तव से मिले थे। जिसमें एसडीएम ने रूपरेखा तय कर नवीन मंडी का निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि आगामी 28 अक्टूबर यानि गुरूवार से चार नवंबर तक नवीन मंडी में दीपावली मेले का आयोजन होगा।

जला प्रशासन ने संत-महंतो के साथ बैठक कर ली राय

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता व एसपी अरुण कुमार सिंह, दिगम्बर अखाड़ा रामघाट के महंत दिव्यजीवन दास, कामदगिरि आरती स्थल के संत विपिन विराट, भरतकूप के महंत लवकुश महाराज, राजेंद्र त्रिवेदी आदि संतों की उपस्थिति में दीपावली अमावस्या मेला की तैयारी के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। डीएम ने संत–महंतो से मेले के संबंध में जानकारी ली। जिस पर कहा गया कि यह अलौकिक दीपोत्सव है। ऋषि मुनियों का क्षेत्र रहा है जो विश्व में प्रसिद्ध है। कहा कि तीर्थ स्थल होने पर संतों से भी राय ली जाए। अनेक जनपदों से श्रद्धालु आते हैं। कुंभ मेले को जिस तरह सकुशल जिला प्रशासन संपन्न कराया है इसी तरह से यह दीपावली मेला और अमावस्या मेला भी संपन्न कराई जाएगी। बैठक में भरतकूप मंदिर के लवकुश महाराज ने कहा कि मंदिर के आसपास अतिक्रमण अधिक है। जिसमें तीर्थ यात्रियों को परेशानी होती है। डीएम ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि अतिक्रमण हटाए। संतो ने यह भी बताया कि शहर व रामघाट पर गौवंश घूमते रहते हैं। उन्हें गौशालाओं में कराएं। पुलिस अधीक्षक में शहर कोतवाल को निर्देश दिए कि काली देवी चौराहा पर मीट की दुकान मेले के समय नहीं खुलनी चाहिए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि लक्ष्मण पहाड़ी के रास्ता की साफ सफाई, लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। विपिन विराट महाराज ने कहा कि परिक्रमा मार्ग पर लगाए गए जालियों के ऊपर होर्डिंग लगाए। जिससे उसमें कोई कचरा न फेंकने पाए। डीएम ने जल संस्थान से टैंकरों के बारे में जानकारी ली। जिस पर अधिशासी अभियंता जल संस्थान ने बताया कि संस्थान के पास 22 व नगर पालिका के पास 6 टैंकर हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर अन्य विभागों से मांग करें। सिंचाई विभाग को निर्देशित किया कि मंदाकिनी नदी में बैरीकेटिंग कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित गोताखोर, नाव व बैनर की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि जहां ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है वहां पर लगाए एव यह भी कहा कि यूपीटीयू से पीलीकोठी तक लाइटिंग की भी व्यवस्था कराए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि कोई भी गोवंश बाहर नहीं रहना चाहिए। अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि मेले के दौरान जितने भी पार्किंग संचालित रहेंगे वह निशुल्क रहनी चाहिए। उप जिला अधिकारी कर्वी व उप जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ यादव से परिक्रमा मार्ग में बन रहे नाली की व्यवस्था की जानकारी ली। कहां कि मेले से पहले मैनपॉवर बढ़ाकर समाप्त कराए। उन्होंने यात्री कर माल अधिकारी दीप्ति त्रिपाठी व थानाध्यक्ष कर्वी, ट्रैफिक इंस्पेक्टर को निर्देशित किया कि बस स्टैंड पर प्राइवेट बस नहीं खड़ी होनी चाहिए। उन्होंने ट्रैफिक इंस्पेक्टर को निर्देशित किया कि चकरेही चौराहा से मंदिर तक बैरिकेडिंग कराए। जिससे की दुर्घटना न होने पाए। उन्होंने यह भी कहा कि शंभू पेट्रोल पंप के पास तिराहे पर कोई भी ठेला न लगने पाए। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि गैस सिलेंडरों का निरीक्षण करते रहें। उन्होंने रेलवे विभाग से ट्रेनों के बारे में जानकारी ली। जिस पर स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि मेले के लिए तीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है एवं एक अन्य ट्रेन बांदा में खड़ी रहेगी। कहा कि सभी ट्रेनों का शेड्यूल शेयर करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दीपावली मेले के बाद सोमवती अमावस्या पड़ रही है। जिसमें काफी भीड़ होती है। इसको देखते हुए पहले से तैयारी करना सुनिश्चित कराए। जिलाधिकारी ने बसों के संचालन के भी बारे में जानकारी ली। जिस पर एआरटीओ ने बताया कि 365 बसे लगाई जा रही है। डीएम ने कहा कि सभी बस स्टैंड से ही संचालित होनी चाहिए। बस स्टैंड के बाहर कैंप लगाकर लाउड स्पीकर के माध्यम से बस के संचालन के बारे में बताएं। एआरटीओ ने बताया कि रेलवे स्टेशन से बेडी पुलिया एवं रामघाट तक 30 बसें लगाई जा रही है। एसपी ने कहा कि भारी वाहनो की 18 अक्टूबर की सुबह से नो एंट्री लगाई जाएगी एवं यह मेला समाप्ति तक रहेगी। इस अवसर पर एडीएम उमेश चंद्र निगम, एएसपी सत्यपाल सिंह, सदर एसडीएम पूजा साहू, एसडीएम मऊ आरआर रमन, उप जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ यादव, सीओ सिटी अरविंद कुमार वर्मा, डीसी मनरेगा डीके पांडेय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा सुरेश कुमार पांडेय, अपर एडीएम अजय यादव, एसडीएम न्यायिक पूजा गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

क्षेत्रीय बालक-बालिका खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

--कपना इण्टर कालेज के छात्रों ने मारी बाजी

चित्रकूट। 27वीं क्षेत्रीय बालक बालिका खेलकूद प्रतियोगिता 2025 स्व लाला भाई पटेल इण्टर कालेज कपना इटौरा के प्रांगण में तीन दिवसीय रैली का समापन हुआ। मुख्य अतिथि कालेज के प्रधानाचार्य आनन्द कुमार रहे एवं विषिश्ट अतिथि नाथू राम चंदेल संकटमोचन इण्टर कालेज बछरन के प्रधानाचार्य गोबर्धन सिंह रहे। रैली के क्षेत्र प्रभारी संजय कुमार यादव व्यायाम प्रवक्ता गोस्वामी इण्टर कालेज छीबों ने मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण, बैज अंलकरण कर कैप पहना स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि तीन दिवसीय रैली में छात्र–छात्राओं का उत्कृश्ट प्रदर्षन रहा। जो टीमें प्रथम द्वितीय आयी हैं वह सभी जिला मे प्रतिभाग करेंगी। खेल हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है खेलने से सभी का उज्ज्वल भविश्य बनता है और षरीरिक फिटनेष मजबूत होती है। विषिश्ट अतिथि श्री सिंह ने कहा कि यह पूरे राजापुर क्षेत्र की रैली थी। इसमें लगभग 12 कालेजों ने प्रतिभाग किया। बहुत ही अनुषासन से खेल प्रतियोगितायें सम्पन्न हुई। उन्होंने विजेता टीमों को बधाई दी। को खेल परिणामों में सीनियर बालिका वर्ग में चैम्पियन 200, 400, 800 मी दौड में खुषबू देवी कपना इण्टर कालेज प्रथमं, रिया देवी जीजीआई राजापुर डिसकस थ्रो, हैमर थ्रो, गोला फेंक प्रथम, जूनियर बालिका वर्ग में चैम्पियन प्राची पाण्डेय जीजीआईसी राजापुर 100 मी. बाघा, 100, 200 मी दौड़ में प्रथम, अंषिका देवी कपना इण्टर कालेज गोला फेंक, लम्बी कूद, ऊंची कूद प्रथम, सब जूनियर बालक वर्ग में चैम्पियन राहुल नांदी इण्टर कालेज लम्बी कूद, डिसकस थ्रो और 400 मी दौड में प्रथम, आषीश कपना इण्टर कालेज 100 मी0 दौड, डिसकस थ्रो और 80 मी बाघा दौड में प्रथम, सब जूनियर बालिका वर्ग में चैम्पियन हेमा कपना इण्टर कालेज, गोला फेंक, ऊंची कूद, लम्बी कूद में प्रथम, अंजली यूपीएस इटौरा 100, 200 मी दौड, 80 मी बाघा दौड़ में प्रथम, जूनियर बालक वर्ग में चैम्पियन अंकित यादव नांदी इण्टर कालेज 800 मी0 3000 मी दौड, व लम्बी कूद में प्रथम रहे। मुख्यअतिथियों ने सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरण किया। जो इस रैली में लगातार तीन दिन निर्णाय की भूमिका निभाई उनका भी मुख्य अतिथियों ने प्रमाण पत्र एवं षाल भेंटकर सम्मानित किया गया। निर्णायक की भूमिका में कीड़ा प्रभारी कपना सुनील सिंह, जयसिंह बछरन, अजीत कुमार राजापुर, अमोल सिंह कपना, राजकरण व्यायाम षिक्षक, ब्लाक व्यायाम सिह रामनारायण साहू, श्रीकेषन, ष्यामसुन्दर यादव, आराधना यादव, रमेष सिंह, रमेष कुमार वर्मा, संदीप सिंह, लेखापटल में आदित्य कुमार, रमेष कुमार, संजय कुमार, अमोल सिंह, महेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह रहे। फील्ड व मंच का सफल संचालन श्रीकेषन ने किया।

गंगा, गऊ, गीता और गायत्री मंत्र भारत की आत्मा- उमा भारती

प्रयागराज। चन्द्रशेखर आजाद सर्किट हाउस के सभागार में गंगा की स्वच्छता अभियान को लेकर एक वृहद बैठक भाजपा नेता योगेश शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर गंगा सेवा संकल्प कार्यक्रम के संदर्भ में प्रयागराज आई पूर्व केंद्रीय मंत्री और एवं मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती रही।उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश योगी सरकार मां गंगा की स्वच्छता अविरलता और तपस्वियों के तप से इस धरा पर अवतरित हुई है।उमा भारती ने कहा कि गंगा, गऊ, गीता और गायत्री मंत्र भारत की आत्मा है जो कभी मर नहीं सकती। गंगा भक्ति और शक्ति का मार्ग है और मूल अधिष्ठान हैं जिसका संरक्षण करना जन जन की जिम्मेदारी है।बैठक का संचालन करते हुए भाजपा नेता योगेशशुक्ला ने बताया कि 4 नवंबर को देव दीपावली के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रयागराज में संगम गंगा तपस्विनियों को आमंत्रित किया जाएगा।मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर प्रेस वार्ता का आयोजन कर पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती के द्वारा आगामी 4 नवंबर गंगा सेवा संकल्प की कार्यक्रम की जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता का संचालन मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने किया। इसके पूर्व महापौर गणेश केसरवानी, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, यमुना पार जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला विधायक संजय शर्मा, विधायक विपिन वर्मा, विधायक पियूष रंजन निषाद भाजपा नेता विक्रम सिंह पटेल पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती जी का स्वागत किया और कार्यक्रम की तैयारी की रूप रेखा तय की। इस अवसर शशि वार्ष्णेय, राजेश केसरवानी, अजय अग्रहरि आदि भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्मलता को लेकर समर्पित है और नीतियों के तहत योजना बद्ध तरीके से कार्य कर रही है। लेकिन गंगा तभी पूर्ण रूप स्वच्छ होगी जब समाज का हर व्यक्ति गंगा की स्वच्छता को लेकर समर्पित भाव से सोचेगा और कार्य करेगा। उन्होंने आगे कहा कि गंगा सिर्फ एक नदी नहीं है बल्कि भारत का जीवन रेखा है। हमारी सांस्कृतिक धरोहर है जो घाट पर मां गंगा की स्वच्छता अविरलता और निर्मलता को लेकर पूर्व केंद्रीय एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के नेतृत्व में वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। जिसकी तैयारी की रूप रेखा बनाई जा रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत मां गंगा की स्वच्छता अभियान में देश के कोने–कोने से साधु संतों ,गंगा भक्तों, हिमालय पर रहने वाली गंगा पुत्री

खाद्य सुरक्षा टीम ने छापेमारी कर भरे सैम्पल

—सीज किया 73 किग्रा सरसो तेल, नष्ट कराया दूषित फिंगर चिप्स, मिठाई

चित्रकूट। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त एवं जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में सहायक आयुक्त खाद्य शशांक त्रिपाठी ने टीम के साथ दीपावली पर्व विशेष अभियान अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा विमाग की टीम ने तीन नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। इस दौरान 73 किग्रा सरसों तेल सीज किया गया। 30 किग्रा रंगीन व दूषित फिंगर चिप्स, मिठाई व मोगौड़ा मौके पर ही नष्ट कराया गया। राजापुर स्थित खाद्य प्रतिष्ठान पन्ना स्वीट हाउस प्रो शुभम से एक नमूना खाद्य पदार्थ पेड़ा का संग्रहित किया। प्रो राजेश केशरवानी के प्रतिष्ठान पर छापा मारकर मिलावट का संदेह होने पर सरसों का तेल का नमूना संग्रहित कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं। मौके पर संदिग्ध 73 किग्रा सरसों का तेल को सीज कर दिया गया है। भौरी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान यादव स्वीट हाउस प्रो शंकर प्रसाद से एक नमूना पनीर का संग्रहित किया गया। घुरेहटा मोड़ थाना रैपुरा स्थित प्रो अजय कुमार के खाद्य प्रतिष्ठान से 30 किग्रा खाद्य पदार्थ रंगीन व दूषित फिंगर चिप्स मिठाई व मोगौड़ा को मौके पर नष्ट कराया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रत्नाकर सिंह, विनय कुमार मौजूद रहे।

परम्परागत संगीत के साथ मनेगी दिवाली

चित्रकूट। दो दशक पूर्व कोल बाहुल्य गांव में जाड़े के दिनों में निजी समारोहों, सामाजिक पर्वों में ढोल नगड़िया की थाप में गीत एवं नृत्य के स्वर सुनाई दिया करते थे। भौतिक विकास की चकाचौंध में धीरे धीरे सब कुछ छूटता गया। पुराने ढोलक, नगड़िया टूट फूट गए, काम के नहीं रहे। गाने, बजाने, नाचने वाली पीढ़ी भी या तो संसार से विदा हो गई या जो वृद्धजन बचे, उनकी कोई आवाज नहीं रही। मनोरंजन का एकांतिक आधार मोबाइल आ गया, अन्य किसी की जरूरत रही नहीं। सामाजिक ताना बाना जोरों से प्रभावित हो रहा है, परिवार इकाई टूट रही है।ऐसे में अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान के सहयोग से वानप्रस्थ संगठन के बलवीर सिंह के नेतृत्व में कर्वी चित्रकूट के कुछ शक्तियां को 19 अक्टूबर को मानिकपुर के डोडामाफी में बिजहना नाम के छोटे से मजरे में आदिवासी कोलों के साथ दीवाली उपहार देने, उनके साथ सहभोज में शामिल होने पहुंच रहे हैं। इस समाचार से प्रमुदित होकर अपनी पुरानी परंपरा के स्वागत की उन्हें याद आ रही है। पुरानी परंपरा में ढोल नगड़िया की थाप में कोलहाई, टिप्पा, सजनई, राई आदि के गीत एवं नृत्य उनकी स्मृति में आ रहे हैं। नगड़िया, मजीरे की चाहत संस्थान के माध्यम से आज पूरी हो रही है। संगीत उपकरण देखकर सभी आदिवासियों के चेहरों की मुस्कान, उमंग, विश्वास देखने योग्य रही। ज्ञातव्य हो कि अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान द्वारा जुलाई 2025 से सघन रूप से डोडा माफी सहित पड़ोसी पांच ग्राम पंचायतों के 15 गांवों में पंचतत्व संरक्षण एवं विकास के लिए काम करना प्रारंभ किया जा चुका है। वर्तमान में डोडा गांव में मेडबंदी, बागवानी, प्रा.तिक खेती के प्रदर्शन आदि कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

जहर खाने से दो की मौत, एक रेफर

चित्रकूट। जिले में अलग–अलग स्थानों पर तीन लोगों ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसमें दो की मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे इलाज के लिए प्रयागराज रेफर किया गया है।पहाड़ी थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी आशीष कुमार ने बताया कि उसकी बहन अराधना देवी (20) का बुधवार शाम छोटी बहन से विवाद हो गया था। मां के डांटने पर वह क्षुब्ध होकर जहरीला पदार्थ खा ली। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां से डॉक्टरों ने उसे प्रयागराज रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतका तीन बहनों में सबसे बड़ी और बीए की छात्रा थी। दूसरी घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के चकौंध गांव की है। जहां चंद्रकिशोर (45) ने पत्नी से विवाद के बाद जहर खा लिया। बताया गया कि उसकी पत्नी अक्सर उसे नशा न करने की समझाती थी।

सर्पदंश से महिला की गई जान

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में घर की सफाई करते समय महिला को सर्प ने डस लिया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। हरिहरपुर निवासी सुधीर कुमार ने बताया कि उसकी मामी नेमा देवी (46) गुउवार को दिवाली के पूर्व घर की सफाई कर रही थीं। इसीबीच कमरे की अलमारी से सामान हटाते समय वहां मौजूद सर्प ने उन्हें डस लिया। उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन दौड़े और उन्हें जिला अस्पताल लेकर आए। यहां से डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर कर दिया। रास्ते में उनकी मौत हो गई।

मेला स्पेशल ट्रेनो के आवागमन का समय

चित्रकूट। इन ट्रेनों से चित्रकूट जिले में आने और यहां से जाने वाले श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ये ट्रेनें 20 से 23 अक्तूबर के मध्य चलाई जाएंगी। पहली मेला स्पेशल ट्रेन वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी चित्रकूट धाम कर्वी, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी के बीच संचालित होगी।

बेस केस से पहले होने चाहिए गैंगेस्टर एक्ट के मुकदमे : डीएम

-कानून व्यवस्था, अभियोजन एवं महिला अपराधों की हुई विशेष समीक्षा बैठक

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता व एसपी अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में कानून व्यवस्था, अभियोजन एवं महिला अपराधों की विशेष समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

डीएम ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, गैंगेस्टर एक्ट, पास्को एट, महिला संबंधी अपराधों, आपराधिक वादों, सम्मन और वारंट तामीला, आयुध अधिनियम, टॉप 10 अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही, ओवरलोड परिवहन, अवैध खनन, विषाक्त नशा पत्ती मुक्त से संबंधित प्रवर्तन कार्य, आगामी त्योहारों एवं राष्ट्रीय पर्वों के . ष्टिगत खाद्य पदार्थ एवं औषधियों पर मिलावटखोरी के नियंत्रण आदि विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने सभी थानाध्यक्षो को निर्देशित किया कि गैंगस्टर के मुकदमे बेस केस से पहले होना चाहिए। पास्को के संबंध में उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक सजा कराए। ओवरलोडिंग के संबंध में कहा कि अभियान चलाएं। जनपद में ओवरलोडिंग नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जिला खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि अगर जरूरत पड़े तो पुलिस क्षेत्राधिकारी से फोर्स की मांग करें। अवैध शराब के संबंध में कहा कि कोई भी अबैध शराब नहीं बननी चाहिए। कहां कि नदियों के किनारे कच्ची शराब बनाई जाती है। आगामी त्यौहारों को देखते हुए अभी से अभियान चलाकर पकड़े। खाद्य सुरक्षा के संबंध में उन्होंने कहा कि दीपावली एक बड़ा पर्व है। इसमें अपनी टीम के साथ संयुक्त रूप से अभियान चला कर छापामारी करें। गवाहों की उपस्थिति के संबंध में उन्होंने थाना प्रभारियो को निर्देशित किया कि गवाहों की उपस्थिति अवश्य कराएं। जब गवाह आए तो उनके हस्ताक्षर भी कराए। आर्म्स अधिनियम के संबंध में उन्होंने कहा कि गवाहों की उपस्थित में क्या समस्या होती है कि बार–बार कहने पर भी नहीं संज्ञान लिया जाता है। इसमें गवाहों की उपस्थिति शत प्रतिशत हो। उन्होंने शासकीय अधिवक्ताओं को भी कहा कि आख्या सही व समय से आनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्षों से कहा कि महिला संबंधी अपराधियों आदि के खिलाफ त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में एडीएम उमेश चन्द्र निगम, एएसपी सत्यपाल सिंह सहित शासकीय अधिवक्ता, थानाध्यक्ष आदि अधिकारी मौजूद रहे।

मंदाकिनी नदी घाटों पर रखी जाएं लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां : अजीत सिंह

—बुंदेली सेना ने पंचकोसी परिक्रमा मार्ग की सफाई और पैचिंग कार्य के लिए जिलाधिकारी के प्रति जताया आभार

चित्रकूट। लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों को मंदाकिनी नदी में फेकने की बजाय नदी के घाटों पर रखने की अपील बुंदेली सेना ने लोगों से की है। बताया कि बाद में इन एकत्रित मूर्तियों का भू विसर्जन कराया जाएगा।

बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि पिछले कई वर्षों से तमाम लोग मूर्तियाँ घाट पर ही रख जाते हैं लेकिन अभी भी हजारों लोग मूर्तियाँ नदी में फेंक जाते हैं। यह मूर्तियाँ नदी में बेवजह प्रदूषण की कारक बनती हैं। जबकि यदि यही मूर्तियाँ नदी के तटों पर रख दी जाएं तो उनका दीपावली बाद विधिवत भू विसर्जन करा दिया जाएगा। लोग चाहें तो खुद भी पूजन सामग्री और मूर्तियों का भू विसर्जन कर सकते हैं। अजीत सिंह ने बताया कि पंचकोसी परिक्रमा मार्ग में लगभग एक लाख के करीब श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हैं। सिद्धपुर से बाँकेसिद्ध होते हुए देवाँगना के रास्ते हनुमानधारा से श्रद्धालु नीचे उतरते हैं। पंचकोसी परिक्रमा मार्ग में बाँकेसिद्ध मार्ग चारे से रास्ता पटा था। बुंदेली सेना की मांग पर जिलाधिकारी ने दो दर्जन के करीब सफाई कर्मियों की टोली लगाई। तीन दिनों में बाँकेसिद्ध की सीढ़ियों से लेकर रास्ते की विधिवत सफाई हुई। साथ ही लोक निर्माण विभाग द्वारा रास्ते के गढ्ढों को पाटने के लिए पैचिंग कराई जा रही है। बुंदेली सेना ने सफाई और पैचिंग कार्य के लिए जिलाधिकारी के प्रति आभार जताया है। मांग की है कि सिद्धपुर गाँव से बाँकेसिद्ध के बीच प्रकाश की भी समुचित व्यवस्था कराई जाये। ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो।

स्पेशल ट्रेन में पत्थरबाजी से प्रतियोगी छात्र घायल

शिक्षक भर्ती परीक्षा देने गया था युवक

प्रयागराज। भागलपुर से आनंद विहार जा रही स्पेशल ट्रेन में बुधवार को कुछ अज्ञात लोगों द्वारा पत्थर फेंकने की घटना हुई। बताया जा रहा है कि इस घटना में प्रयागराज का एक युवक घायल हो गया। युवक के पैर में चोट आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 04457 मिर्जापुर के जिगना स्टेशन से गुजर रही थी। इसी दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने पथराव कर दिया। घटना बुधवार रात की है। चुनार स्टेशन पार करते ही करीब 10–15 मिनट बाद मीरजापुर–जिगना खंड में हमलावरों ने एस–2 कोच की खिड़कियों को निशाना बनाया। पथराव से एस–2 कोच में सफर कर रहा प्रयागराज निवासी हिमांशु सिंह घायल हो गया। हिमांशु ने बताया कि वह बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा देकर प्रयागराज लौट रहा था। अपने सहयात्री उदयराज के साथ एस–2 कोच की सीट 51 और 54 पर थे। अपर बर्थ होने के बावजूद खाली साइड लोअर पर नीचे बैठे थे। इसी बीच बाएं तरफ से अचानक पत्थरों के टकराने की आवाज आनी शुरू हुई। एक पत्थर का टुकड़ा उनके पैर पर भी लगा। उसने 139 पर इसकी सूचना दी। प्रयागराज जंक्शन पर सहायता का आश्वासन मिला। हिमांशु ने बताया कि शाम करीब 6रू53 बजे प्रयागराज पहुंचने पर रेलवे चिकित्सा टीम ने उनका प्राथमिक उपचार किया। इस बारे में प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह का कहना है कि ऐसी किसी घटना की कहीं कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। फिर भी इस मामले की जांच की जा रही है।

प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 29वीं बोर्ड बैठक आयोजित

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरूवार को आयुक्त कार्यालय स्थित गाँधी सभागार में प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 29वीं बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया।वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रारूपित वित्तीय विवरणों को बोर्ड बैठक में अनुमोदित किया गया तथा मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी को नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। बैठक में स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत चल रही प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा स्मार्ट सिटी के तहत जो भी प्रोजेक्ट हुए हैं उन्हें सस्टेनेबल रखने के लिए इन प्रोजेक्टों को रेवन्यू जेनेरेटिंग बनाने के आवश्यक प्रबंध करने के लिए कहा गया हैबैठक में यह सुनिश्चित किया गया कि सभी परियोजनाएं समयबद्ध, गुणवत्ता के साथ तथा निर्धारित बजट के भीतर पूरी की जाएं। इस अवसर पर डीएम मनीष कुमार वर्मा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अमित पाल शर्मा, नगर आयुक्त साई तेजा एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने सुनीं भाकियू अराजनैतिक के पदाधिकारियों की समस्यायें

किसानों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किए जाने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की विभिन्न समस्याओं के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों के द्वारा सहकारी समितियों में खाद की उपलब्धाता बनाये रखने, आवश्यकतानुसार खाद उपलब्ध कराया जाने, खाद की ओवर रेटिंग व कालाबाजारी रोकने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने,, धान क्रय केन्द्रों को समय से संचालित किए जाने, चकबंदी से सम्बंधित शिकायतें, निराश्रित गौवंशों को गौआश्रय स्थलों में संरक्षित किए जाने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने सहित अन्य विषय उठायें गये।बैठक में जिलाधिकारी ने एआर कॉपरेटिव को सभी साधन सहकारी समितियों में खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के साथ समितियों पर खाद की कालाबाजारी रोके जाने हेतु खाद बिक्री की वीडियो व फोटोग्राफी कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने क्षेत्रफल के अनुसार निर्धारित मानक के अनुरूप खाद उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने उपजिलाधिकारियों के माध्यम से भी खाद की ओवर रेटिंग एवं नकली खाद की बिक्री पर प्रभावी कार्यवाही करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने धान की खरीद हेतु क्रय केन्द्रों को समय से सक्रिय किए जाने हेतु आवश्यक व्यवस्थायें करने एवं क्रय केन्द्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो, किसानों को दूर न जाना पड़े और जो धान खरीद हेतु अनुमन्य है, उसका प्रचार–प्रसार कराते हुए निष्पक्ष तरीके से धान का क्रय किया जाये। उन्होंने कहा कि धान क्रय केन्द्रों पर जो भी खरीद हो, उसे केवल किसानों से पारदर्शिता के साथ क्रय किया जाये। क्रय केन्द्रों पर बिचौलियों का प्रवेश न हो, यह सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर किसानों की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुनते हुए सभी सम्बधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के प्रतिनिधि शनि शुक्ला, यूनियन के अन्य पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने माघ मेला की तैयारियों के सम्बंध में की बैठक

प्रयागराज। मण्डलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी में सभागार में गुरूवार को माघ मेला–2026 की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने माघ मेला के आयोजन हेतु कराये जाने वाले कार्यों से सम्बंधित प्रमुख विभागों के अधिकारियों से कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पीडब्लूडी, विद्युत, सिंचाई, स्वास्थ्य, जल निगम तथा मेला प्राधिकरण के द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए सभी सम्बंधित विभागों को माघ मेला के दृष्टिगत कराये जाने वाले कार्यों हेतु टेण्डर की कार्यवाही इसी माह तक पूर्ण कराकर कार्यादेश निर्गत करते हुए नवम्बर के प्रथम सप्ताह से कार्यों को अनिवार्य रूप से शुरू कराये जाने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने इसके साथ ही साथ छठ पर्व के आयोजन के दृष्टिगत भी घाटों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने मेला प्राधिकरण को जमीन के समतलीकरण सहित अन्य कार्यों

से सम्बंधित सभी कार्यवाही समय से पूर्ण किए जाने के लिए कहा है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अजय पाल शर्मा, नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा, अपर मेलाधिकारी दयानन्द प्रसाद, उपजिलाधिकारी अभिनव पाठक, विवेक शुक्ला सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया की जगह पक्की, जानें इंडिया का क्या हाल होगा?

भारतीय टीम ने अभी तक 4 मैच खेले हैं। अपने शुरुआती दो मैचों में उसने पहले श्रीलंका और उसके बाद पाकिस्तान को शिकस्त दी। उसके बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम लड़खड़ा गई। अपने तीसरे मैच में उसे दक्षिण अफ्रीका के हाथों 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा तो चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड रनों को चेज करते हुए जीत हासिल की। महिला वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का अजेय सफर जारी है। वह सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने अब तक 5 मैच में से 4 में जीत हासिल की है और 1 मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। उसके बाद पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है और वह भी अब तक अजेय है। साउथ अफ्रीका की टीम तीसरे पायदान पर है। पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों हार के बाद उसने लगातार 3 मैच जीते हैं। फिलहाल, भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल में चौथे पायदान पर है। शुरुआती दो मैच जीतने के बाद टीम ऐसी लड़खड़ाई कि पिछले दो मैच में उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा। वहीं भारतीय टीम ने अभी तक 4 मैच खेले हैं। अपने शुरुआती दो मैचों में उसने पहले श्रीलंका और उसके बाद पाकिस्तान को शिकस्त दी। उसके बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम लड़खड़ा गई। अपने तीसरे मैच में उसे दक्षिण अफ्रीका के हाथों 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा तो चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड रनों को चेज करते हुए जीत हासिल की। इस तरह 4 मैचों में 4 अंकों और 0.682 के नेट रन रेट के साथ भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल में चौथे पायदान पर है। अभी लीग स्टेज में उसके 3 मैच बचे हैं और अगर भारतीय टीम चौथे नंबर पर है। अगर भारत को अपना चौथा पायदान बरकरार रखना है तो उसे सेमीफाइनल में जगह पक्की करनी होगी। टीम इंडिया अगर बाकी के तीन मैचों

में 2 जीत जाती है और एक में उसे हार झेलनी पड़ती है तब भी वह सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। भारत का अगला मुकाबला रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ होगा। अगर टीम इंडिया उसे हार भी जाए लेकिन न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से अगले मुकाबले जीत जाए तो उसे सेमीफाइनल में पहुंचने में मुश्किल नहीं होगी। वहीं भारत अगर बाकी के तीन मैचों में से 2 में हार जाए और एक जीते तब सेमीफाइनल में उसकी राह मुश्किल हो जाएगी। उसे तब दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा। अगर भारत इंग्लैंड और न्यूजीलैंड से हाँ जाए तब उसे बांग्लादेश से हर हाल में जीतना पड़ेगा। इतना ही नहीं, तब उसे ये भी उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड पाकिस्तान और इंग्लैंड से अपने मुकाबलों में हार जाए।

क्रिकेट जगत में जुड़ेगा एक नया फार्मेट

वहीं अब क्रिकेट की दुनिया में एक नया फॉर्मेट शुरू होने जा रहा है। अब टेस्ट और टी20 को मिलाकर एक नया फॉर्मेट टेस्ट 20 के शुरू होने की खबर है। वहीं क्रिकेट के इस नए फॉर्मेट के लिए पूर्व दिग्गज एबी डिविलियर्स, सर क्लाइव लॉयड, मैथ्यू हेडन और हरभजन सिंह ने समर्थन किया है। क्रिकेट में जहा टेस्ट,टी20 और वनडे फॉर्मेट खेले जाते हैं। वही दुनियाभर की लीग तो इसे 10 ओवर के फॉर्मेट और इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड में 100 बॉल के मैच के रूप में भी खेला जाता है। वहीं अब क्रिकेट की दुनिया में एक नया फॉर्मेट शुरू होने जा रहा है। अब टेस्ट और टी20 को मिलाकर एक नया फॉर्मेट टेस्ट 20 के शुरू होने की खबर है। वहीं क्रिकेट के इस नए फॉर्मेट के लिए पूर्व दिग्गज एबी डिविलियर्स, सर क्लाइव लॉयड, मैथ्यू हेडन और हरभजन सिंह ने समर्थन किया है। साथ ही उनकी मौजूदगी में इसे लॉन्च भी किया गा। इस नए फॉर्मेट की शुरूआत जानकारी के मुताबिक साल 2026 के शुरूआती दिनों में हो सकती है। गौरव बाहिरवानी ने इसे शुरू करने का आइडिया खोजा है। इसके लिए उन्होंने दिग्गजो को इकट्ठाकिया और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस फॉर्मेट में युवाओं के लिए एक नया मौका होगा। एबी डिविलियर्स ने अपने एक्स वीडियो में इससे जुड़ी जानकारी दी। अगर इस नए फॉर्मेट के

नियम की बात करें तो शुरुआत में इसे उम्र की सीमा से बांधा गया है। इस फॉर्मेट को 3 और 19 साल के युवा क्रिकेटर्स के लिए शुरू किया जाएगा। इसमें चार पारियों का मैच होगा जिसमें 20–20 ओवर की एक पारी होगी। इस मैच को एक दिन में ही खेला जाएगा। इस मैच को रेड बॉ क्रकिट से खेला जाएगा और टीमें सफेद जर्सी में होंगी। इसके अलावा क और नियम आगे बदल सकते हैं।

रोहित-विराट के वनडे क्रिकेट से संन्यास पर ये क्या बोल गए रवि शास्त्री?

टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद अब विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म है। दोनों केवल वनडे प्रारूप में खेलते हुए दिखेंगे। जिसके बाद ये चर्चा तेज हो चुकी है कि रोहित और कोहली कब तक भारतीय टीम के लिए खेलेंगे?भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। जहां उसे मेजबान देश के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने हैं। वहीं वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के साथ दिग्गज बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा भी शामिल हैं। लंबे समय बाद ये दोनों दिग्गज टीम इंडिया की जर्सी में दिखेंगे। वहीं टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद अब विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म है। दोनों केवल वनडे प्रारूप में खेलते हुए दिखेंगे। जिसके बाद ये चर्चा तेज हो चुकी है कि रोहित और कोहली कब तक भारतीय टीम के लिए खेलेंगे? बता दें कि, विराट कोहली और रोहित शर्मा का लक्ष्य 2027 का वनडे वर्ल्ड कप जीतना है। दोनों ने एक साथ कभी भी वनडे वर्ल्ड कप नहीं जीता है। विराट कोहली 2011 में वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन उस समय रोहित शर्मा स्क्वॉड का पार्ट नहीं थे। इस पर अब टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री रोहित–कोहली को लेकर

जल्दबाजी में कुछ निष्कर्ष निकालना नहीं चाहते हैं। शास्त्री का मानना है कि रिटायरमेंट का फैसला पूरी तरह से दोनों दिग्गजों की प्रेरणा और फॉर्म पर निर्भर करता है। पूर्व भारतीय कोच ने कहा कि भले ही उनकी फिटनेस और फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे हों, लेकिन पूरे मामले को ज्यादा जटिल नहीं बनाना चाहिए। शास्त्री ने फॉक्स क्रिकेट से बात करते हुए कहा कि, विराट चेज मास्टर हैं और रोहित टॉप ऑर्डर के एक विस्फोटक बल्लेबाज हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि वो इस खेल के लिए कितने भूखे हैं कितने फिट हैं और वो जुनून क्या अब भी बरकरार है। मैं तो कहूंगा कि एक–एक सीरीज के हिसाब से देखा जाए। अभी रास्ता काफी लंबा है। पूर्व भारतीय कोच ने आगे कहा कि, आपने देखा होगा कि जब भारत ने टी20 वर्ल्ड कप जीता तो जडेजा, कोहली और रोहित ने खुद ही रिटायरमेंट लिया। उन्हें किसी ने मजबूर नहीं किया। उन्होंने खुद निर्णय लिया।

मुझे लगता है कि वनडे में भी ऐसा ही होगा। अगर उन्हें खेलने में मजा नहीं आएगा या फॉर्म खराब हो जाएगी तो वे खुद पीछे हट जाएंगे।

पर्थ में रोहित शर्मा कर सकते हैं कमाल, सचिन तेंदुलकर-धोनी के क्लब में होंगे शामिल

रोहित शर्मा रविवार को लंबे समय बाद टीम इंडिया की जर्सी में खेलते हुए नजर आएंगे। हालांकि, इस बार वह बतौर बल्लेबाज खेलने उतरेंगे। ऐसे में सबकी नजरें उन पर टिकी होंगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित शर्मा का रिकॉर्ड बेहतर रहा है और इस सीरीज में उन पर खुद को साबित करने का दबाव होगा।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रविवार को लंबे समय बाद टीम इंडिया की जर्सी में खेलते हुए नजर आएंगे। हालांकि, इस बार वह बतौर बल्लेबाज खेलने उतरेंगे। ऐसे में सबकी नजरें उन पर टिकी होंगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित शर्मा का रिकॉर्ड बेहतर रहा है और इस सीरीज में उन पर खुद को साबित करने का दबाव होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मुकाबले में उतरते ही रोहित शर्मा एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। वह 500 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले भारत के पांचवें बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय वनडे टीम गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए पर्थ पहुंच गई है। कोहली, रोहित और शुभमन गिल के अलावा पहले बैच के साथ पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी और सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य शामिल थे। वहीं गौतम गंभीर और कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य आज टीम से जुड़ें। 19 अक्तूबर को पर्थ में होने वाला पहला वनडे मैच रोहित शर्मा के अंतर्राष्ट्रीय करियर का 500वां मैच होगा।

सर्दियों में जोड़ों की अकड़न से राहत दिलाएंगे ये 3 असरदार योगासन

मौसम में बदलाव होना हमारे शरीर पर असर डालता है, खासकर जोड़ों में दर्द और अकड़न की समस्या शुरू हो जाती है। सर्दियों के मौसम में यह समस्या और भी ज्यादा बढ़ जाती है, जिससे बुजुर्ग और जोड़ों से संबंधित परेशानियों से जूझ रहे लोग खासतौर पर प्रभावित होते हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योगासन इस समस्या का एक प्राकृतिक और प्रभावी समाधान हो सकता है। यह जोड़ों का लचीलापन बढ़ाने और दर्द को कम करने में मददगार साबित होता है। योग न केवल शरीर को मजबूत बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव भी घटाता है। भुजंगासन भुजंगासन रीढ़ की हड्डी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। इस आसन को करने के लिए व्यक्ति को पेट के बल लेटना होता है और हाथों की हथेलियों को छाती के पास रखकर धीरे–धीरे छाती को ऊपर उठाना होता है। यह आसन कमर की मांसपेशियों को मजबूत करता है और रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाता है। जो लोग कमर दर्द या गर्दन और कंधों में अकड़न महसूस करते हैं, उनके लिए भुजंगासन बेहद फायदेमंद साबित होता है। इससे जोड़ों की सूजन और दर्द में आराम मिलता है। त्रिकोणासनरू त्रिकोणासन जोड़ों के लिए अत्यंत उपयोगी है, खासकर कूल्हों, घुटनों और टखनों की अकड़न दूर करने में यह आसन मदद करता है। इस आसन

में व्यक्ति को सीधे खड़े होकर अपने पैरों को थोड़ा अलग रखकर, एक पैर को बाहर की ओर मोड़ना होता है। फिर शरीर को झुकाकर उस दिशा की ओर हाथ को जमीन से छूने की कोशिश करनी होती है, जबकि दूसरा हाथ ऊपर की ओर होता है। गर्दन को ऊपर की ओर घुमाकर देखने से यह आसन शरीर के कई जोड़ों को खींचता है और उनमें लचीलापन बढ़ाता है। नियमित अभ्यास से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। गोमुखासन गोमुखासन खासतौर पर कंधों और कूल्हों की अकड़न को दूर करने के लिए जाना जाता है। यह बैठकर किया जाने वाला एक प्रभावी योगासन है। इसमें एक पैर को मोड़कर दूसरे पैर के नीचे रखा जाता है और दोनों हाथों को पीठ के पीछे से मिलाने की कोशिश की जाती है। इस प्रक्रिया से कंधों और कूल्हों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनकी गति में सुधार आता है। जो लोग अपने कंधों और कूल्हों में जकड़न महसूस करते हैं, उनके लिए यह आसन बहुत सहायक होता है। साथ ही, यह आसन रीढ़ की हड्डी को सीधा और मजबूत बनाए रखने में भी मदद करता है।

संजू सैमसन ने रणजी ट्राफी में खेली वनडे जैसी पारी, टीम मैनेजमेंट को बल्ले से दिया कड़क जवाब

संजू सैमसन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह नहीं मिली। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 10 साल भी पूरे कर लिए। लेकिन एक दशक में उन्हें बेहद ही कम मौके मिले हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में चुना गया है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह नहीं मिली। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 10 साल भी पूरे कर लिए। लेकिन एक दशक में उन्हें बेहद ही कम मौके मिले हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में चुना गया है। अब संजू सैमसन ने रणजी ट्रॉफी 2025 के पहले मुकाबले में महाराष्ट्र के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी से बता दिया कि वह टी20 के अलावा लंबे फॉर्मेट के खिलाड़ी भी हैं। भारत के लिए 16 वनडे मुकाबले खेलने के बाद भी संजू को वनडे सीरीज में नहीं चुना गया था। अब रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 51 गेंदों पर फिफ्टी जड़ी और अपनी टीम के स्कोर 35 पर 3 विकेट से आगे बढ़ाया। उन्होंने चौथे विकेट के लिए सचिन बेबी के साथ मिलकर 40 और कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 57 रन जोड़े। इस दौरान उनकी पारी में 5 चौके और एक छक्का भी शामिल है। उन्होंने 63 गेंदों पर 54 रनों की पारी खेली। उन्होंने अमूमन इस पारी को 85 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से खेला। उनका वनडे में करियर स्ट्राइक रेट है 99.61। उन्होंने 16 वनडे मैचों में भारत के लिए एक शतक और तीन फिफ्टी समेत 510 रन बनाए हैं। वहीं टी20 इंटरनेशनल में वह टीम इंडिया के लिए 49 मैचों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी जड़ चुके हैं और 993 रन भी बना चुके हैं।

पर्थ में होगी भारत-आस्ट्रेलिया की भिड़ंत, जानें दोनों टीमों के स्क्वाड, पिच रिपोर्ट और हेड टू हेड रिकार्ड

पर्थ स्टेडियम की बात करें तो यहां कि पिच को दुनिया की सबसे तेज और उछाल भरी पिच के रूप में जाना जाता है। तेज गेंदबाजी के लिए ये पिच खतरनाक साबित होती है। यानी बल्लेबाजों को यहां दिक्कत हो सकती है। ये मैदान हालांकि, पर्थ के पुराने वाका क्रिकेट ग्राउंड की से अलग है। यहां भारत ने एक भी वनडे मैच नहीं खेला है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज रविवार 19 अक्टूबर से होने जा रहा है। पहला मुकाबला पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में सभी की नजरें भारतीय वनडे टीम के नए कप्तान शुभमन गिल पर तो होंगी ही। साथ ही लंबे समय बाद भारतीय जर्सी में लौटे रोहित शर्मा और विराट कोहली पर भी सभी का विशेष ध्यान होगा। अगर पर्थ स्टेडियम की बात करें तो यहां कि पिच को दुनिया की सबसे तेज और उछाल भरी पिच के रूप में जाना जाता है। तेज गेंदबाजी के लिए ये पिच खतरनाक साबित होती है। यानी बल्लेबाजों को यहां दिक्कत हो सकती है। ये मैदान हालांकि, पर्थ के पुराने वाका क्रिकेट ग्राउंड की से अलग है। यहां भारत ने एक भी वनडे मैच नहीं खेला है। जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम यहां तीन वनडे खेली है और एक में भी उसे जीत नहीं मिल पाई है। जबकि 2024 में भारत ने यहीं टेस्ट मैच जीता था। पिच और मौसम का हाल अगर पर्थ के इतिहास की बात करें तो वाका की पिच खूनी से सनी हुई बताई जाती थी। क्योंकि वो दुनिया की सबसे खतरनाक,तेज और उछाल भरी सतह थी। लेकिन ऑप्टस स्टेडियम

में ड्रॉप इन पिचों का इस्तेमाल किया गया। इसका मतलब है कि, यहां कि पिच की सतह उछाल भरी है और तेज गेंदबाजों को यहां मदद मिलती है। यहां अभी तक तीन मैच हुए हैं दो बार बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। क्योंकि कहा जाता है कि जैसे–जैसे मैच आगे बढ़ता है तो पिच का पेस और उछाल सीमित हो जाता है। इस कारण बल्लेबाजी आसान हो जाती है। ऐसे में टॉस जीतने वाला कप्तान पहले गेंदबाजी चुन सकता है। पर्थ की पिच की जो ताजा तस्वीर के अनुसार, पिच पर घास दिख रही है। जिससे तेज गेंदबाज खुश हो सकते हैं। वहीं मौसम की बात करें तो मैच के दिन पर्थ में दिन के समय 60 प्रतिशत और रात के वक्त 40 प्रतिशत बारिश के आसार हैं। यानी इस कारण ओवरकास्ट कंडीशन बनी रहेगी और तेज गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिल सकती है। बल्लेबाजों को ऐसे वक्त संभलकर खेलना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया में ये सर्दियां जाने का समय है और इस वक्त बारिश भी मौका होती है। इसलिए ये कहना गलत नहीं होगा कि बारिश मैच में खलल डाल सकती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे में हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो 152 मैच अभी तक दोनों टीमों ने खेले हैं। इसमें में 58 में भारत को जीत मिली है। वहीं 84 मैच कंगारू टीम ने जीते हैं। 10 मैचों में कोई भी परिणाम नहीं निकल पाया। साफतौर पर ओवरऑल रिकॉर्ड में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा। अगर इस मैदान की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच पहली बार वनडे मैच होने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया की टीम इससे पहले यहां तीन वनडे खेली है लेकिन उसे पहली जीत का इंतजार है। अगर ऑस्ट्रेलिया में भारत के वनडे रिकॉर्ड की बात करें तो भारत ने यहां कंगारू टीम के खिलाफ कुल 54 मुकाबले खेले हैं। इसमें से टीम इंडिया को सिर्फ 14 मैचों में जीत मिली है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 38 मैचों में अपने घर पर भारत को हराया है। दो मुकाबले दोनों के बीच ऑस्ट्रेलिया में बेनतीजा रहे हैं। जबकि ऑस्ट्रेलिया में ओवरऑल भारत ने 99 वनडे मैच खेले हैं जिसमें से 40 में उसे जीत मिली है और 53 में हार का सामना करना पड़ा है। जबकि दो मैच टाई हुए हैं और चार मैचों का कोई परिणाम नहीं निकल पाया। दोनों टीमों के स्क्वॉडभारत– शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल। ऑस्ट्रेलिया– मिचेल मार्श (कप्तान),

पाकिस्तान टीम में फिर बदलाव, सलमान अली आगा की जगह ये खिलाड़ी बनेगा टी20 क्रिकेट का कप्तान

स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर शादाब खान अब जल्द ही पाकिस्तान की टी20 टीम में वापसी करने वाले हैं और वो इस फॉर्मेट में नए कप्तान बन सकते हैं। एशिया कप 2025 के बाद सलमान अली आगा के टी20 क्रिकेट में खराब प्रदर्शन को लेकर चर्चा हुई। शादाब इस समय कंधे की सर्जरी के बाद रिहैब में हैं। जो अगले महीने पूरा हो जाएगा।पाकिस्तान क्रिकेट टीम में एक बार फिर बदलाव होने वाला है। एशिया कप 2025 में पाकिस्तान को फाइनल तक पहुंचाने वाले कप्तान सलमान अली आगा मुश्किल में हैं। दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सलमान को टी20 टीम की कप्तानी से हटाने का फैसला कर लिया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर शादाब खान अब जल्द ही पाकिस्तान की टी20 टीम में वापसी करने वाले हैं और वो इस फॉर्मेट में नए कप्तान बन सकते हैं। पीसीबी शादाब खान

को टी20 फॉर्मेट में लंबे समय के लिए कप्तान बनाना चाहता है। एशिया कप 2025 के बाद सलमान अली आगा के टी20 क्रिकेट में खराब प्रदर्शन को लेकर चर्चा हुई। शादाब इस समय कंधे की सर्जरी के बाद रिहैब में हैं। जो अगले महीने पूरा हो जाएगा। फिलहाल, शादाब खान ने पाकिस्तान के लिए 6 टेस्ट, 70 वनडे और 112 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 1947 रन बनाए और 211 विकेट झटके। वो आखिरी बार मई–जून में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में खेले थे। सर्जरी से पहले शादाब टी20 टीम के उपकप्तान थे। 27 वर्षीय शादाब पहले भी टी20

दिवाली से पहले शेयर बाजार में जश्न!, निवेशकों ने कमाए 2 लाख करोड़

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 862.23 अंक या 1.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ 83,467.66 और निफ्टी 261.75 अंक या 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,585.30 पर था।बाजार में तेजी का नेतृत्व बैंकिंग शेयरों ने किया। निफ्टी बैंकिंग इंडेक्स 622.65 अंक या 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 57,422.55 पर था। निफ्टी ऑटो 1.27 प्रतिशत, निफ्टी आईटी 0.37 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.14 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 2.02 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 1.90 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 0.42 प्रतिशत और निफ्टी सर्विसेज 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 271.15 अंक या 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 59,241.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 43.80 अंक या 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,131.85 पर था।सेंसेक्स पैक में कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी और मारुति सुजुकी टॉप गेनर्स थे। केवल इटरनल (जोमैटो) और इन्फोसिस ही लाल निशान में बंद हुए हैं।बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका–भारत के बीच व्यापारिक तनाव कम होने से घरेलू बाजार में मजबूत रिकवरी देखने को मिली। साथ ही अच्छे वैश्विक संकेतों के कारण निवेशकों की धारणा पर सकारात्मक असर हुआ है। रियल्टी, ऑटो, एफएमसीजी और निजी बैंकिंग शेयरों में बढ़त व्यापक स्तर पर रही। वित्त वर्ष

2026 की तीसरी तिमाही में मांग में सुधार की उम्मीद, विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के शुरुआती संकेत, अमेरिकी फेड की नरम नीतिगत टिप्पणियों और डॉलर सूचकांक में नरमी ने बाजार में तेजी को बढ़ाने का काम किया है।

बाबिल खान ने सोशल मीडिया पर बयां किया दिल का दर्द, तस्वीरों के साथ शेयर की भावनाएं

मशहूर अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर अपने दिल की बातें लोगों के सामने व्यक्त की। बाबिल खान ने अपने इस पोस्ट में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संघर्ष और जीवन की चुनौतियों का जिक्र किया। बाबिल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, मैंने चुपके से कोई बात नहीं सुनी, यह कांच का घर पतली दीवारों वाला है। मैंने अपने दिल को बाजू पर रखा, अब मेरी टी–शर्ट खून से सनी है। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था, मेरे डर ने मुझे गहरे घाव दिए। अनिद्रा और घबराहट ने मुझे अजीब बातें कबूल करवाईं। मैं मदद के लिए चिल्ला रहा था, अपनी भावनाओं को दबा नहीं पाया। मेरे स्वास्थ्य पर भारी बोझ पड़ा, मेरी आत्मा दबाव से थक गई थी। तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, जबकि मैं अपनी उदासी से जूझ रहा था... रुको...

इस कैप्शन में बाबिल ने अपनी भावनात्मक और मानसिक स्थिति को खुलकर बयां किया। अभिनेता की ये पोस्ट प्रशंसकों के दिल को छू गई। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर तरह–तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बाबिल के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने करियर की शुरुआत पिता इरफान खान की फिल्म च्करीब–करीब सिंगलज् से बतौर कैमरा असिस्टेंट की थी। इसके बाद उन्होंने 2022 में नेटफ्लिक्स की फिल्म च्कलाज् से अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जिसके बाद उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा था। साल 2023 में वह वेब सीरीज च्द रेलवे मेनज् में नजर आए थे, जिसमें उनके अभिनय ने एक बार फिर सबका ध्यान खींचा। लंदन से फिल्म मेकिंग की पढ़ाई करने वाले बाबिल च्फ्राइडे नाइट प्लानज् में भी दिख चुके हैं। हाल ही में उनकी फिल्म च्लॉगआउटज् ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

दूसरी ही फिल्म से लगा खलनायिका का टैग, असल जिंदगी में भी बिंदू देसाई को निगेटिव समझते थे लोग

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई? बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी। लेकिन विटी फेस होने की वजह से उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस रोल ऑफर नहीं हुआ। अपने पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। अब परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्होंने फिल्मों का रुख किया और उनके जीजा लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसमें उनकी मदद की।

बिंदू ने सबसे पहले 1962 में आई फिल्म च्अनपढ़ज् में साइड रोल किया, और वो उस वक्त 21 साल की थी। फिल्मी पर्दे पर वह फ्लॉप रहीं, लेकिन दूसरी फिल्म च्दो रास्तेज् उनके लिए लकी साबित हुई। इस फिल्म में बिंदू ने निगेटिव रोल प्ले किया। एक इंटरव्यू में बिंदू ने खुलासा किया था कि पहले वो तो निगेटिव रोल करने से कतरा रही थीं, लेकिन परिवार वालों ने कहा कि तुक्का मारने में क्या जाता है। फिल्म बनी

और रिलीज हुई और फिर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बिंदू की जिंदगी बदल दी। इसके बाद एक्ट्रेस ने च्इत्तफाकज, च्आया सावन झूम केज, च्डोलीज, च्कटी पतंगज, और च्जंजीरज् जैसी फिल्में की।बिंदू को लगातार फिल्मों में निगेटिव रोल मिलने लगे और उनकी इमेज पूरी तरह निगेटिव हो गई। असल जिंदगी में भी लोग उन्हें पर्दे की खलनायिका की तरह हीं देखते थे। एक्ट्रेस ने खुद इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि महिलाओं को लगता था कि मैं उनके पतियों को हड़प लूंगी। बिंदू ने बताया कि मेरे पति के एक करीबी दोस्त थे और कभी–कभी उनसे बातचीत हो जाती थी, लेकिन उनकी पत्नी को ऐसा लगता था कि मैं उनके पति पर डोरे डाल रही हूंज्जबकि असल में ऐसा कुछ था ही नहीं।आज बिंदू अपने परिवार और पति के साथ मुंबई में रहती हैं और इंटरव्यू और शो में दिखती रहती हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म च्महबूबाज् में देखा गया था, जो कि 2008 में आई थी।

श्रिया पिलगांवकर बनीं आल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल की जूरी सदस्य, 4 दिसंबर से मुंबई में होगा आगाज

पर्यावरण और सिनेमा के संगम का जश्न मनाने वाला ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल इस साल अपने छठे संस्करण के साथ लौट रहा है। 4 दिसंबर से शुरू हो रहे इस 11 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण और टिकाऊ जीवन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उजागर करेंगी। इस साल फेस्टिवल की शुरुआत मुंबई से होगी और 14 दिसंबर को इसका समापन होगा। खास बात यह है कि इस बार अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त फिल्म निर्देशक पान नलिन को फेस्टिवल की जूरी में शामिल किया गया है। जूरी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका को लेकर श्रिया पिलगांवकर ने खुशी जताई और आईएएनएस से बात करते हुए कहा, फेस्टिवल का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। अक्सर कलाकार यह बात करते हैं कि सिनेमा में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, लेकिन फेस्टिवल इस ताकत का इस्तेमाल जागरूकता और संवेदना बढ़ाने के लिए करता है, जिससे समाज में वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है।श्रिया का मानना है कि पर्यावरण का मुद्दा हमारी रोजमर्रा की जिंदगी, स्वास्थ्य और भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ विषय है।आईएएनएस से बात करते हुए श्रिया ने आगे कहा, श्यह फेस्टिवल मुझे याद दिलाता है कि कहानियों में वह शक्ति होती है जो सोच को बदल सकती है, दिमाग खोल सकती है, और हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का एहसास करा सकती है।श

उन्होंने बताया कि जूरी की प्रक्रिया के दौरान उन्होंने कई प्रभावशाली फिल्में देखीं, जो नए नजरिए से सोचने और सीखने का मौका देती हैं।बता दें कि इस फेस्टिवल में फीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म्स, और स्टूडेंट पर आधारित फिल्मों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा।

इन सभी फिल्मों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों को प्रेरित करना, सोचने पर मजबूर करना और प्रकृति से जुड़ने का एहसास कराना है।

पहली बार में ही हेमा मालिनी की खूबसूरती पर मोहित हो गई थी सायरा बानो, जन्मदिन पर शेयर किया किस्सा

भारतीय सिनेमा की सफल और अपने जमाने में हीरो से भी ज्यादा फीस लेने वाली अदाकारा हेमा मालिनी आज अपना 77वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। सोशल मीडिया पर हर कोई उन्हें बधाई दे रहा है। लेजेंड्री अदाकारा सायरा बानो ने अब हेमा मालिनी के लिए दिल खोलकर लंबा–चौड़ा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है और उन्हें दिल से दुआ दी है। सायरा बानो ने सोशल मीडिया पर अपनी, हेमा मालिनी और दिलीप कुमार की पुरानी फोटो शेयर की है, और उन्होंने अपनी और हेमा मालिनी की पहली मुलाकात का किस्सा भी सुनाया है। उन्होंने बताया कि पहली बार जब उन्होंने हेमा मालिनी को देखा था, तो, वो उनकी खूबसूरती, चेहरे के शांत भाव और ग्रेस पर मोहित हो गई थीं। सायरा बानो ने कैप्शन में लिखा, हमारी पहली मुलाकात 1966 में आरके स्टूडियो में श्दीवानाश के सेट पर हुई थी। मुझे आज भी याद है कि मैं कैसे उनके शांत स्वभाव, सुंदरता और ग्रेस पर मोहित हो गई थी। जिसके बाद हम सुरम्य कृष्ण राज सागर बांध पर शूटिंग के दौरान फिर मिले, जहां उनकी मां और हमारी मां और हम दोनों शूटिंग के बाद बैठकर घंटों बातें करते थे और हंसी मजाक करते थे। सायरा बानो ने बालों में गोबान लगाने वाला किस्सा भी सोशल मीडिया पर शेयर किया और बताया कि अम्मा हेमा के बालों में प्यारी खुशबू के लिए गोबान लगती थी और हम दोनों ही इस बात पर हंसते थे। एक्ट्रेस के पोस्ट से साफ है कि उनकी और हेमा मालिनी की दोस्ती काफी पुरानी और प्यारी है। बता दें कि सायरा

बानो हाल ही के दिनों में हेमा से मिलने के लिए उनके घर पहुंची थी और पुरानी यादों को ताजा किया था।फैंस भी सायरा बानों के पोस्ट की तारीफ कर रहे हैं और हेमा मालिनी को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 60 और 70 के दशक की दो खूबसूरत गॉर्जियस ब्यूटी एक साथ।एक अन्य यूजर ने लिखा, बिल्कुल सही कहा आपने, आज भी हेमा जी उतनी ही खूबसूरत और ग्रेसफुल हैं। बता दें कि सायरा बानो अपने इंस्टाग्राम पर अपनी और दिलीप साहब की पुरानी यादें ताजा करती रहती हैं। इससे पहले उन्होंने अपनी और दिलीप कुमार की शादी की खूबसूरत फोटो डाली थी और अपने रिश्ते को लेकर कई राज खोले थे।

संगीत के 30 वर्षो का जश्न अनुष्का शंकर ने की भारत टूर की घोषणा

11 बार ग्रैमी के लिए नामांकित सितार वादक अनुष्का शंकर अपने लाइव प्रदर्शन के 30 साल पूरे होने पर एक विशेष भारत दौरे की घोषणा कर रही हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूरा– के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसकी शुरुआत 30 जनवरी को हैदराबाद से होगी। इसके बाद यह यात्रा बेंगलुरु (31 जनवरी), मुंबई (1 फरवरी), पुणे (6 फरवरी), दिल्ली (7 फरवरी) और कोलकाता (8 फरवरी) में जारी रहेगी। इस टूर को स्द्मद– और क्रद्गस्न्न्स्न्नरू द्वारा क्यूरेट और प्रोड्यूस किया गया है और कोटक द्वारा प्रस्तुत किया गया है। अनुष्का कहती हैंरू भारत में हर परफॉर्मेंस मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत होता है, लेकिन यह दौरा एक बेहद खास समय पर हो रहा है। इस टूर के साथ हम मिलकर मेरे मंच पर संगीत साझा करने के 30 सालों का जश्न मनाएंगे तीन दशक की वृद्धि, जोखिम और नवाचार। इस विशेष टूर के साथ अनुष्का न केवल अपने तीन दशक के संगीत सफर को सेलिब्रेट कर रही हैं, बल्कि अपनी त्रयी को भी पूर्ण रूप से प्रस्तुत कर रही हैं दृ एक ऐसी संगीत यात्रा जिसकी शुरुआत भारत से हुई थी और जो पिछले दो वर्षों में चार महाद्वीपों में व्यापक रूप से सराही गई। वह आगे कहती हैं यह यात्रा वास्तव में तीन साल पहले गोवा में नए साल के दिन की डायरी से शुरू हुई थी, जब मैंने इस त्रयी का एक खाका तैयार किया था।

दुल्हनिया ढूंढ रहे संजय मिश्रा! अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का पोस्टर जारी

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय मिश्रा को सिर्फ संजीदा किरदारों के लिए ही नहीं बल्कि अपने कॉमेडी से भरे रोल्स से भी जाना जाता है। संजय मिश्रा ने कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्होंने फैंस को हंसाया और रुलाया दोनों हैं, लेकिन अब एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज से वो फैंस को हंसाने के लिए आ रहे हैं, क्योंकि उनकी नई फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। संजय मिश्रा की नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। पोस्टर शादी के लिए दूल्हे के इश्तिहार जैसा है, जिसमें दुर्लभ प्रसाद का बायोडेटा छपा है। दुर्लभ प्रसाद की लंबाई 5 फुट 8 इंच है, वो भी बिना जूतों के, रंग गेरुआ है, और वो खुद सामने से लड़की वालों को दहेज देंगे। दुर्लभ प्रसाद ने दुल्हन के लिए कुछ खूबियां लिखी हैं, जिसमें विधवा, तलाकशुदा, देसी और विदेशी हर तरह की महिला चलेगी, बस महिला होनी चाहिए।

इस पोस्टर को शेयर कर संजय मिश्रा ने लिखा, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की जिंदगी में प्यार भर दे। फैंस भी पोस्टर के कायल हो गए हैं और अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, करवाचौथ का उपवास भी रखोगे, ये नहीं लिखा है।एक अन्य यूजर ने लिखा, वाह, शानदार पोस्टर के साथ फिल्म का इंतजार रहेगा।

वर्क फ्रंट की बात करें तो संजय मिश्रा सन ऑफ सरदार 2, भक्षक, पोस्टमैन, हीर एक्सप्रेस, संत तुकाराम, और 5 सितंबर में देखे गए। अब एक्टर दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी लेकर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे बेटे की है, जो अपने पिता की शादी कराना चाहता है। दरअसल संजय जिस लड़की से शादी करना चाहते हैं, उनके घरवालों की डिमांड है कि भरा–पूरा परिवार होना चाहिए, खासकर घर में पहले से महिला मौजूद होनी चाहिए। ऐसे में एक्टर अपने ऑनस्क्रीन पिता की दूसरी शादी करवाने के लिए पूरा जोर लगा देते हैं।बता दें कि संजय मिश्रा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अपने फैंस के साथ पुरानी फोटोज को शेयर करते रहते हैं। शूटिंग के सेट से भी एक्टर फोटोज शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने घासीराम कोतवाल नाटक को लेकर भी वीडियो शेयर की थी और अपने किरदार के बारे में बात की थी।

ड्रीम गर्ल से मथुरा की सांसद तक, हेमा मालिनी का बेमिसाल 77 सालों का सफर

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी आज यानी की 16 अक्तूबर को अपना 77वां जन्मदिन मना रही हैं। हेमा मालिनी एक ऐसी अभिनेत्री है, जिन्होंने जिंदगी का हर किरदार बड़ी शिद्दत से निभाया है।बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल्स हेमा मालिनी आज यानी की 16 अक्तूबर को अपना 77वां जन्मदिन मना रही हैं। हेमा मालिनी एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने जिंदगी का हर किरदार बड़ी शिद्दत से निभाया है। फिर चाहे वह अभिनेत्री का हो, डांसर का हो, प्रेमिका हो, पत्नी हो, मां का हो या फिर सांसद का हो। उन्होंने हमेशा अपनी शर्तों पर काम किया और अपनी अदाकारी और डांसिंग स्किल्स के जरिए फिल्म इंडस्ट्री पर राज किया है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेत्री हेमा मालिनी के जीवन से जुड़े कुछ रोचक बातों के बारे में.जन्म और परिवार तिरुचिरापल्ली जिले के अम्मानकुडी में 16 अक्टूबर 1948 को हेमा मालिनी का जन्म हुआ था। वह एक शांत बच्ची थीं और उनकी मां

जया लक्ष्मी अय्यर उनको भरतनाट्यम की प्रैक्टिस करवाती थीं। वहीं उनके पिता वी.एस. रामन एक सरकारी मुलाजिम थे। हालांकि हेमा मालिनी के पिता नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आएं। बॉलीवुड डेब्यू वहीं हेमा मालिनी ने पहली फिल्म श्सपनों का सौदागरश से हिंदी सिनेमा में एंट्री ली। इस फिल्म में हेमा मालिनी के अपोजिट द ग्रेट शोमैन राज कपूर थे। हालांकि हेमा मालिनी पर्दे पर दिखने की ख्वाहिश नहीं रखती थीं। लेकिन हेमा मालिनी ने अपनी मां की इच्छा का सम्मान किया। अनुशासन में कठोरहेमा मालिनी ने प्यार किया, शादी की और अपना परिवार भी बनाया। लेकिन इस सबके बीच वह डांसर भी रहीं। बेटियां ईशा और अहाना जब भी हेमा मालिनी के सामने घुंघरू लेकर बैठती थीं, तो हेमा मालिनी उनको मां की तरह नहीं बल्कि एक गुरु की तरह देखती थीं।

30 साल पूरे होने से पहले काजोल का बेबाक बयान

अभिनेत्री काजोल ने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) के 30 साल पूरे होने पर कहा कि उसका जादू फिर से पैदा नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, रीमेक को आज के दौर के हिसाब से ढालने पर फिल्म का मूल अंदाज बदल जाएगा, जिससे पहले जैसा आकर्षण उत्पन्न करना असंभव होगा। यह बयान बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म डीडीएलजे की अद्वितीय विरासत और उसके सांस्कृतिक प्रभाव पर प्रकाश डालता है। अभिनेत्री काजोल का मानना है कि 30 साल पहले जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाली फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (डीडीएलजे) का यदि रीमेक बनाया गया तो उसे आज के दौर और सोच के अनुसार ढालना होगा, इसलिए उसका पहले जैसा जादू फिर से पैदा करना संभव नहीं है। प्रेम कहानी 'डीडीएलजे' 20 अक्टूबर, 1995 को रिलीज हुई थी जिसमें काजोल ने सिमरन और शाहरुख खान ने उनके प्रेमी राज का किरदार निभाया था। यह फिल्म भारत की अब तक की सर्वाधिक सफल फिल्मों में से एक मानी जाती है और इसे आज भी मुंबई के मराठा मंदिर में बड़े पर्दे पर देखा जा सकता है।इस फिल्म के 30 साल पूरे होने से पहले काजोल ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''अपना खुद का जादू पैदा कीजिए। ...मुझे नहीं लगता कि वह जादू फिर से पैदा किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि यदि डीडीएलजे का रीमेक बनाना हो तो ''आपको उसे डीडीएलजे जैसा बनाना होगा, लेकिन वह कभी डीडीएलजे जैसी नहीं बन सकेगी। उसे अलग होना होगा और जब आप एक बार लोगों और माहौल को बदल देते हैं तो आपको कहानी को वर्तमान समय, समाज और सोच के अनुसार ढालना होगा।''काजोल ने कहा, ''इससे फिल्म का पूरा अंदाज बदल जाता है। इसलिए आपको अपना जादू खुद पैदा करना होगा।'' यह चर्चा का विषय है कि आज के युवाओं को यह फिल्म कितनी पसंद आएगी। इस फिल्म ने दो प्रवासी भारतीय युवाओं की कहानी के जरिए बॉलीवुड रोमांस को एक नयी परिदी और आज भी इसके लाखों प्रशंसक हैं। 'तुझे देखा तो ये जाना सनम', 'मेहंदी लगा के रखना', 'रुक जा...', 'मेरे ख्वाबो में...' और 'हो गया है तुझको तो प्यार सजना' जैसे इसके गीत तथा ''बड़े बड़े देशों में...'', ''पलट'' और ''जा सिमरन जा'' जैसे इसके संवाद आज भी लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि 'परफेक्ट फिल्म' जैसी कोई चीज होती है और मुझे नहीं लगता कि हमें पता था कि एक 'परफेक्ट फिल्म' क्या होती है... लेकिन हां, यह एक ऐसी फिल्म है जो अब भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

आप जानते हैं कि 'डीडीएलजे' को 30 साल होने वाले हैं। यह अद्भुत है। मुझे लगता है कि लोगों ने इसे अपनाया और इसे अपना बना लिया।

धोखाधड़ी का आरोप दर्ज, गिरफ्तारी की मांग तेज

बिग बॉस 19 की प्रतियोगी तान्या मित्तल के खिलाफ इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों में एफआईआर दर्ज कराई है, जिसमें लोगों के पैसे ठगने और अपने प्रेमी बलराज को जेल भिजवाने का दावा किया गया है। फैजान ने तान्या पर बिग बॉस में व्यक्तिगत जीवन के बारे में झूठ बोलने का भी आरोप लगाया है और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है, जिससे यह मामला सुर्खियों में आ गया है। बिग बॉस 19 के अंदर हर दिन कुछ नया हो रहा है, वहीं घर के बाहर भी कुछ न कुछ नया होता रहता है, और हमारे पास लगातार कई जानकारियाँ आ रही हैं। और अब, ऐसा लग रहा है कि तान्या मित्तल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। हालांकि यह एक ऐसी बात बन गई है जिसके बारे में हर कोई बात कर रहा है, आइए इस पर और उनके अन्य विवादों पर नजर डालते हैं जिनके बारे में बात होती रहती है।आध्यात्मिक इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल बिग बॉस 19 के घर में आने के बाद से ही चर्चा में हैं। वह रियलिटी टेलीविजन शो में किए गए अपने दावों के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, मुंबई के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने ग्वालियर एसएसपी कार्यालय में तान्या मित्तल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।